cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. डीएलपी 1144/2019-21
5 गुजरात ने लगातार दूसरा आईपीएल मैच जीता, लखनऊ को 7 विकेट...... सम्पादकीय बारहवीं कक्षा के बाद सही कैरियर .... ईरान-अमेरिका वार्ता बेनतीजा रहने से दबाव में बाजार, इस 5

वर्ष 14 अंक 44 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, सोमवार 13 अप्रैल 2026 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन

चेस्ट इंफेक्शन के बाद अस्पताल में भर्ती थीं, शाम 4 बजे अंतिम संस्कार

आर.एन.एस

नई दिल्ली। सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था।

ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर यानी कई अंग फेल होने के कारण उनका निधन हुआ।

आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।12,000 से ज्यादा गाने गाए आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी लोकप्रिय हैं।

आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी।

लता मंगेशकर और आशा भोसले में कई समानताएं रहीं

लता मंगेशकर और आशा भोसले दोनों सगी बहनें थीं। दोनों भारत की महान सिंगर थीं। दोनों के बीच 4 साल का अंतर था। लता मंगेशकर का जन्म 1929 में, जबकि आशा भोसले का जन्म 1933 में हुआ था।

दोनों के निधन में भी 4 साल का अंतर था। लता का निधन 2022 में हुआ, जबकि आशा ने 2026 में अंतिम सांस ली। इतना ही नहीं, दोनों का निधन 92 साल की उम्र में रविवार के दिन हुआ।

भले ही दोनों का जन्म अलग-अलग राज्यों में हुआ, लेकिन दोनों का मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हुआ।

होर्मुज हमारे कंट्रोल में यहां से गुजरना है तो टोल दो : ईरान

आर.एन.एस

अमेरिका-ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर बयानबाजी तेज हो गई है। ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा है कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा। इससे पहले कल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया था कि अमेरिका इस रास्ते में बिछी बारूदी माइंस हटा रहा है। उन्होंने कहा था कि यह समुद्री रास्ता जल्द ही खुल जाएगा। अमेरिकी सेना ने भी दावा किया था कि उनके जहाज इस रास्ते से गुजर चुके हैं। हालांकि कुछ देर बाद ही ईरान ने अमेरिका के इन दावों को गलत बताया था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (ढ्ढक्रत्रष्ट) ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई सैन्य जहाज यहां से गुजरने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।ईरान और अमेरिका के बीच कल पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है।

पाकिस्तान में बातचीत बेनतीजाः अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। वेंस ने कहा कि हमें पूरी तरह भरोसा चाहिए कि ईरान न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही ऐसी तैयारी करेगा।

टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने सिलीगुड़ी में की जनसभा

आर.एन.एस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने ञ्जरूष्ट के शासन काल में बंगाल की बर्बादी देखी है। अब उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा।उन्होंने कहा कि बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा ञ्जरूष्ट की नींद उड़ा देगी।पीएम का पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने सिलीगुड़ी में जनसभा की। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

पीएम मोदी ने सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि ञ्जरूष्ट की सरकार निर्मम है, लेकिन हमने ष्ट की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है।

उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा चाय उत्पादक क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे बेहतर कौन जान सकता है, लेकिन टीएमसी सरकार चाय बागानों को भी नष्ट कर रही है। देश में एक 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को बंद करने की धमकी दी है।

असम आपके पड़ोस में है। वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम किया गया है। श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे।

नॉर्थ बंगाल में टीएमसी की राजनीति हमेशा डर पैदा करने की रही है। लोगों को भयभीत रखना और उनकी उपेक्षा करना यहां आम बात है। यहां राजनीतिक हिंसा होती है, लोगों को डराया-धमकाया जाता है। नेताओं की हत्या तक करवाई जाती है।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से 57 दिन चलेगी

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे।एलजी सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं। गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी।यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा।

एलजी सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है।

अमेरिका होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगा

कहा- ईरान को टोल दिया तो रास्ता नहीं मिलेगा

आर.एन.एस

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नेवी अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगी।

उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जो भी जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोका जाएगा और जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है।

ट्रम्प ने कहा कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी। अमेरिका किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर युद्ध खत्म करने के लिए कार्रवाई करेगा।

इससे पहले ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा था कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा।

ईरान और अमेरिका के बीच कल पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। वेंस ने कहा कि हमें पूरी तरह भरोसा चाहिए कि ईरान न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही ऐसी तैयारी करेगा जिससे वह जल्दी हथियार बना सके।

देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दुनिया भर में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी अस्थाई संकट के बीच भारत सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, देश की सभी तेल रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं।

सरकार के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। साथ ही, पेट्रोल और डीजल का भंडार भी इतना है कि बाजार में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में असामान्य उछाल के बावजूद सरकार ने घरेलू बाजार में तेल की कीमतों को स्थिर रखा है।

आम जनता को राहत देने के लिए कर में कटौती

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल महंगा होने का असर सीधे जनता की जेब पर न पड़े, इसके लिए भारत सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली उत्पाद शुल्क यानी कि एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती कर दी है। इसके अलावा, घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी गई है। 11 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना के मुताबिक, डीजल के निर्यात पर लेवी बढ़ाकर 55.50 रुपये और हवाई ईंधन पर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

रसोई गैस और केरोसिन पर खास ध्यान

सरकार के मुताबिक, आम घरों की जरूरतों को देखते हुए रिफाइनरियों से एलपीजी का उत्पादन बढ़ा दिया गया है।

इसके अलावा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित कोटे से अलग 48,000 किलोलीटर केरोसिन का अतिरिक्त आवंटन किया गया है। दवा, खाद्य वितरण और रसायन जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों को भी रोजाना 800 मीट्रिक टन सी3 और सी4 स्ट्रीम की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

समुद्र में सुरक्षित हैं भारतीय नाविक

शिपिंग मंत्रालय ने भी बड़ी अपडेट दी है। पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण इलाके में मौजूद सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई है। शिपिंग नियंत्रण कक्ष 24 घंटे काम कर रहा है और अब तक 2,084 भारतीय नाविकों को सुरक्षित घर वापस लाया जा चुका है। भारत के सभी बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य है और कहीं भी

हरिद्वार में बढ़े जलस्तर में फंसे लोगों का किया रेस्क्यू

आर.एन.एस

गंगा में अचानक जलस्तर बढ़ने से रविवार को सप्तऋषि घाट और कबीर कुटीर क्षेत्र में टापू पर फंसे लोगों को प्रशासन और पुलिस की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। संयुक्त रेस्क्यू अभियान में कुल 21 लोगों को सकुशल बचा लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत के अनुसार सुबह करीब 10:40 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि सप्तऋषि घाट पर गंगा का जलस्तर अचानक बढ़ने से कई लोग फंस गए हैं। सूचना मिलते ही जल पुलिस, पीएसी, फ्लड कंपनी और आपदा प्रबंधन टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया। टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वहां फंसे 21 लोगों का सफल रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसी दौरान कबीर कुटीर घाट, सप्तऋषि क्षेत्र में भी गंगा के बीच बने टापू पर स्नान कर रहे श्रद्धालु अचानक जलस्तर बढ़ने से फंस गए। तेज बहाव के कारण लोग टापू से बाहर नहीं निकल सके। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज सप्तऋषि अपनी टीम, चेतक कर्मियों और जल पुलिस के साथ बोट एवं राहत उपकरणों के जरिए मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है : कांग्रेस

आर.एन.एस

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। साथ ही महिला आरक्षण कानून में बदलाव के जरिए देश को गुमराह कर रही है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- सरकार अनुच्छेद 334[illegible] में संशोधन की बात कर रही है। यह तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा। लेकिन बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है।उन्होंने कहा कि ये सरकार का छिपा हुई एजेंडा है। सरकार का असल मकसद जाति जनगणना नहीं कराना है। अनुच्छेद 334[illegible] में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है। सरकार अब इसे अलग करने की कोशिश कर रही है,

ताकि इसे जल्द लागू किया जा सके। जयराम रमेश का बयान ऐसे समय आया है, जब 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र प्रस्तावित है। इसमें महिला आरक्षण कानून लागू करने और लोकसभा सीटें बढ़ाने से जुड़े बिल लाए जा सकते हैं।संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

देश में करीब ढाई करोड़ यूट्यूब चैनल्स

आर.एन.एस

नई दिल्ली। देश में लगभग 2.5 करोड़ एक्टिव यूट्यूब चैनल्स में से महज 30 लाख ही प्रोफेशनल हैं, बाकी करोड़ों चैनलों में से कई बिना नियमन या कमाई के गलत सलाह या कॉपी-पेस्ट वाला कंटेंट फैला रहे हैं। इन्फ्लुएंसर ट्रस्ट रिपोर्ट के मुताबिक देश में यूट्यूब के हर महीने करीब 50 करोड़ एक्टिव यूजर्स है। अब यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक डॉक्टर, मैकेनिक, जिम ट्रेनर और कानूनी सलाहकार तक बन चुका है। यदि इन चैनलों पर बताई गई किसी सलाह से किसी को नुकसान हो जाए तो न्याय पाने का रास्ता इतना पेचीदा है कि अपराधी साफ बच निकलता है। देश में हर 10 में से 7 लोग यूट्यूब की सलाह पर भरोसा करते हैं, जिनमें से 60% उसे बिना क्रॉस-चेक किए सही मान लेते हैं।

हममें कोई कमी थी जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा : भागवत

आर.एन.एस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी।उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था।

भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।भागवत ने कहा कि हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। ऋस्स की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है।

युंगाडा आर्मी चीफ ने तुर्किये से सबसे खूबसूरत महिला मांगी, कहा- शादी करूंगा

आर.एन.एस

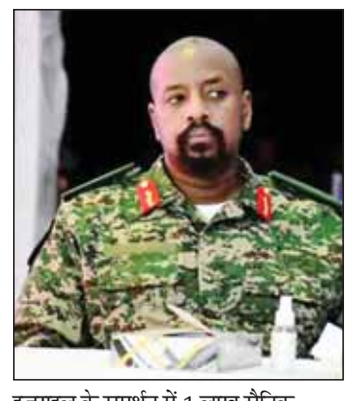

नई दिल्ली। युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 1 अरब डॉलर (?9000 करोड़) और देश की 'सबसे खूबसूरत महिला' को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्किये से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्किश एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है।

कैनेरुगाबा ने ङ्क पर लिखा कि अगर तुर्किये ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे।

उन्होंने युगांडावासियों को तुर्किये यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल के समर्थन में 1 लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्किये की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सोमालिया मिशन का हवाला देकर 1 अरब डॉलर मांगे

कैनेरुगाबा ने पोस्ट में तुर्किये पर आरोप लगाया कि उसने सोमालिया में इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स से फायदा उठाया, जबकि युगांडा ने अल-शबाब जैसे आतंकी संगठनों से लड़ने का बोझ उठाया। इसी आधार पर उन्होंने 1 अरब डॉलर की मांग की।

हाल ही में भी कैनेरुगाबा ने सोशल मीडिया पर कई विवादित पोस्ट किए हैं। उन्होंने विपक्षी नेता बॉबी वाइन को लेकर सिर काटने जैसी धमकी दी, जिस पर काफी विवाद हुआ। हालांकि बाद में उन्होंने इसे मजाक बताया और माफी मांग ली।इसी बीच, कैनेरुगाबा ने कुछ दिन पहले ङ्क अकाउंट हटा दिया था। फिर उन्होंने 'आई एम बैक' लिखकर वापसी की घोषणा की और कहा था कि वे दुनिया को हिला देंगे।

cmyk

विद्याधर नगर में सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के भवानी निकेतन मंडल के वार्ड-11 में सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण कर कार्य का शुभारंभ किया गया। यह परियोजना क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और स्थानीय आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। इस दौरान वार्ड-11 संयोजक मुकेश जोशी, वार्ड-09 संयोजक घनश्याम सैनी, पूर्व पार्षद डॉ. मीनाक्षी शर्मा, नगर निगम के कनिष्ठ अभियंता बी.एस. सैनी और सहायक अभियंता आत्माराम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा मंडल पदाधिकारी तरुण खटोड, संजय सिरसिला, मोहन लाल नामदेव, मनीष कुमावत, हेमा, सुरेन्द्र पारीक, रामेश्वर धाम समिति के अध्यक्ष अशोक, विकास सैनी, रामेश सक्सेना और दौलत सहित कई स्थानीय प्रतिनिधि और नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही।

इस सड़क निर्माण कार्य के प्रारंभ होने से वार्ड-11 के निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह कार्य शुरू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारियों ने परियोजना की रूपरेखा और निर्माण कार्य की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा ताकि लंबे समय तक इसका उपयोग किया जा सके।

आरआईसी में नाईन डॉट स्क्वायर्स एग्जीबिशन का चौथा संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न

प्रतिभागियों ने डिज़ाइन व शिल्प पर आधारित वर्कशॉप्स में लिया हिस्सा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में क्यूरेटेड डिज़ाइन और डेकोर एग्जीबिशन 'नाईन डॉट स्क्वायर्स' का चौथा संस्करण रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में एक ही छत के नीचे शहर के प्रमुख आर्किटेक्ट्स, डिज़ाइनर्स और आर्टीजंस के उत्कृष्ट प्रोडक्ट्स को प्रदर्शित किया गया। एग्जीबिशन में 45 से अधिक स्टॉल्स, आकर्षक इंस्टॉलेशंस, आर्ट गैलरी प्रदर्शनी के साथ-साथ 7 विशेष वर्कशॉप्स भी आयोजित की गईं, जिन्होंने विज़िटर्स को इंटरैक्टिव और रचनात्मक अनुभव भी प्रदान किया। यह जानकारी 'नाईन डॉट स्क्वायर्स' की फाउंडर व क्यूरेटर, रितु खंडेलवाल ने दी। इस तीन दिवसीय एग्जीबिशन के दौरान हैंडक्राफ्टेड लक्ज़री व मॉडर्न फर्नीचर, इनोवेटिव वॉल एवं सरफेस मटेरियल्स, आकर्षक फर्निशिंग्स, कलेक्टिबल आर्ट पीसेज, आर्ट इंस्टॉलेशंस , डिज़ाइन एवं क्राफ्ट आधारित वर्कशॉप्स सहित मन और दिमाग को शांत करने वाले इमर्सिव थेरेपी अनुभव विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। समापन दिवस पर भी विज़िटर्स की भारी भीड़ देखने को मिली। वहीं, एग्जीबिटर्स ने बेहतर रिस्पॉन्स और नए व्यावसायिक अवसरों को लेकर संतुष्टि व्यक्त की।'नाईन डॉट स्क्वायर्स' के फाउंडर प्रमोटर, रमेश अग्रवाल ने बताया कि एग्जीबिशन में इटैलियन ब्रांड नेक्सियन द्वारा कॉन्क्रीट, मार्बल, स्टोन और वुड पैटर्न में टाइल्स के आकर्षक ऑम्ब्रे कलेक्शन का प्रदर्शन किया गया। ये प्रोडक्ट्स अपनी बेहतरीन ड्यूरेबिलिटी और प्रीमियम फिनिश के कारण किसी भी स्पेस में सौंदर्य के साथ-साथ सुकून का एहसास जोड़ते और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देते हैं। इंटीरियर, एक्सटीरियर, फसाड और फ्लोरिंग के लिए उपयुक्त इन डिज़ाइन्स को विजिटर्स ने काफी सराहा और इनमें विशेष रुचि दिखाई।

इसके अतिरिक्त, मीनिएचर आर्ट, कंटेम्पररी स्विच बोर्ड्स, हैंडमेड वुड ब्लॉक ज्वैलरी, क्रॉशे, पैबल आर्ट जैसे कई नवाचारों और फ्यूजन ने भी विजिटर्स का ध्यान अपनी ओर खींचा।

'नाईन डॉट स्क्वायर्स' की को-क्यूरेटर, सगुना वाधवा ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन के दौरान स्टूडियो एकस्थ द्वारा प्रस्तुत इंस्टॉलेशन में टीकवुड, ब्रास और कॉपर जैसे मटेरियल्स का संगम देखने को मिला, जिसमें आध्यात्मिक वास्तुकला के तत्वों को खूबसूरती से अभिव्यक्त किया गया। वास्तु आधारित कॉन्सेप्ट पर तैयार इस इंस्टॉलेशन में मटेरियल और एनर्जी के संतुलन को दर्शाया गया, जिसने बड़ी संख्या में विजिटर्स और डिजाइन प्रेमियों को लुभाया।

जेम सिटी रक्तदान शिविर 26 अप्रेल को

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। आगामी 26 अप्रेल को जैन सोशल ग्रुप जेम सिटी के 15 हाऊसो से प्रेरित, जेम सिटी चैरिटेबल ट्रस्ट और वंडर सीमेंट के सहयोग से अवेद्ना आश्रम सन्तोकबा दुर्लभजी अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन होने जा रहा है।

ग्रुप के अध्यक्ष दिनेश गोदिका और सचिव गिरेन्द्र टाँक ने बताया की जेम सिटी में 210 परिवार सदस्य है और इस रक्तदान शिविर के लिये 50 दम्पति सदस्यों की संख्या में सयोजंक बनाये गये है इस रक्तदान शिविर को सफल बनाए जाने के लिये जेएलएं मार्ग स्तिथ मायानगरी में कंवेनर मीटिंग बुलाई गई जहां शिविर को सफल बनाने के लिये आपस में विचार विमर्श किया गया ।

इस दौरान ट्रस्ट के सेकेट्री जर्नल संजय काला और चीफ पेटर्न देवेंद्र अजमेरा ने सभी को जानकारी साझा करते हुए कहा की रक्तदान के रजिस्ट्रेशन के लिये ऑनलाईन प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है और सभी पुराने 3 वर्षो के 6000 सफल रक्तदाताओ को आमंत्रण पत्र भी भेजे जा चूकें है जिससे वे चाहे तो अपना ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन स्वयं भी कर सकते है।

उन्होने आगे कहा की हर बार की तरह इस बार भी अवेद्ना आश्रम के तीनो फ्लोर काम में लिये जाएंगे ब्लड संग्रहण के लिये जयपुर के 12 ब्लड बैंक को बुलाया गया है सभी फ्लोर पर कूलिन्ग और पीने के पानी की व्यवस्था रहेगी रक्तदाताओ के लिये हॉस्पिटल की पार्किंग के साथ जेडीए की पार्किंग भी निशुल्क रहेगी साथ रक्तदान परिसर तक आने -जाने के लिये ई -रिक्शा कि व्यवस्था भी कि गई हैं उन्होने सभी सयोजंको को पुराने रक्तदाता के साथ नये रक्तदाताओ को भी ज्यादा से ज्यादा जोड़ने के लिये प्रेरित करने को कहा।

कर्मचारियों के हितों के समाधान को सरकार प्रतिबद्ध : गोपाल शर्मा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। आदर्श विद्या मंदिर, राजापार्क में रविवार को आयोजित राजस्थान मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद के 10वें प्रांतीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि विधायक गोपाल शर्मा ने कर्मचारियों की मांगों के समाधान के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि संवाद और समन्वय से समस्याओं का समाधान संभव है तथा मंत्रालयिक कर्मचारी शासन-प्रशासन की रीढ़ हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि कर्मचारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर विधानसभा में भी उठाया जाएगा। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों से भी पारदर्शी, जवाबदेह कार्यप्रणाली के साथ आमजन के कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। अधिवेशन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं प्रौढ़ कार्य प्रमुख कैलाश चंद्र का भी मार्गदर्शन मिला। उन्होंने संगठन के वैचारिक अधिष्ठान पर प्रकाश डालते हुए संस्कार, सेवा, समर्पण और अनुशासन को संगठन की मजबूती का आधार बताया।

संवाद और समन्वय से समाधान संभव : कैलाश

मुख्य वक्ता भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश मंत्री कैलाश शर्मा ने कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए समाधान के लिए सरकार एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय और संवाद को आवश्यक बताया। उन्होंने एकजुटता को कर्मचारियों की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि अधिकारों की रक्षा सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

परिषद के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद सिंह राव ने बताया कि अधिवेशन में प्रदेशभर से आए बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने मंत्रालयिक संवर्ग में पदोन्नति, वेतन विसंगतियों का निराकरण, ग्रेड पे/पे-लेवल में सुधार, संविदा/अस्थायी कर्मचारियों का नियमितीकरण, पेंशन एवं अन्य लाभों में सुधार, स्थानांतरण एवं पदस्थापन में पारदर्शिता जैसी मांगों के समाधान के लिए सरकार से अपेक्षा जताई गई।

राजस्थान उत्तराखंड सभा के रक्तदान शिविर में 131 ने किया रक्तदान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान उत्तराखंड सभा राजस्थान प्रदेश, जयपुर जिला इकाई द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर एवं मेडिकल कैंप और रक्तदाता प्रेरक अवॉर्ड 2026 का आयोजन वैशाली नगर में श्री अग्रवाल सेवा सदन में सम्पन्न हुआ। सभा प्रवक्ता आनन्द पांडे ने बताया कि रक्तदान शिविर में युवा रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। रक्तदान हेतु 200 रक्तदाताओं ने रजिस्ट्रेशन किया जिसमें से 131 रक्तदाता ही रक्तदान करने में सफल रहे।

महिला चिकित्सालय ब्लड बैंक और स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से रक्त संरक्षण किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष बी एस रावत ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने पहुंचकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। साथ ही रक्तदान की महत्वत्ता को समझाते हुए कहा कि उत्तराखंड सभा के युवा रक्तदान सेवा करके समाज को प्रेरणा दे रहे है, जो समाज सामाजिक गतिविधि में रक्तदान महादान जैसे कार्यक्रम को सामिल करता हैं।

वह समाज सुलझा हुआ और उन्नति पर होता है, जनकल्याण की भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में रक्तदाताओं की जितनी तारीफ की जाय वह कम है। रावत ने अतिथि को मोमेंटो देकर सम्मान किया।

महासचिव एडवोकेट प्रहलाद सिंह अधिकारी ने बताया कि इसी कार्यक्रम के बीच रक्तदाता प्रेरक अवॉर्ड 2026 के तहत प्रदेश के 12 ऐसे प्रेरककर्ताओं का सम्मान किया गया जिनका प्रदेश में रक्तदान के क्षेत्र में व्यक्तिगत और संस्थागत सराहनीय योगदान रहा है।

जिसमें जयपुर से राजेश मीणा, डॉ भूपराम शर्मा, सुशील मंत्री, प्रीति

मिस वेदिका जैन एवं दीपिका चौधरी को मिला एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार

रामाज रिसोर्ट पैलेस में मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 का ब्यूटी प्रेजेंट ग्रैंड फिनाले

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान के सबसे प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 - सीजन 1 का बहुप्रतीक्षित ग्रैंड फिनाले शनिवार को टोंक रोड चाकसू स्थित रामाज़ रिज़ॉर्ट पैलेस में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य भर से सफल ऑडिशन और विशेष ग्रूमिंग सेशंस के बाद चयनित टॉप 51 फाइनलिस्ट् ने इस प्रतिष्ठित खिताब के लिए मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया।

कोटा की वेदिका जैन एवं जयपुर की दीपिका चौधरी रहीं विजेता

मिस विजेता वेदिका जैन प्रथम विजेता रही। कोटा की मिस विजेता वेदिका जैन एवं मिसेज विजेता में जयपुर की दीपिका चौधरी को 1-1 लाख के चेक दिए गए। इस अवसर पर वेदिका तेहलानी प्रथम रनर अप, अनुप्रिया मीना द्वितीय रनरअप, कुमकुम बैरवा तीसरी रनरअप, अहाना ल्यूक चौथी रनर अप रहीं। मिसेज विजेता के रूप में दीपिका चौधरी प्रथम विजेता, मोनिका ओझा प्रथम उपविजेता, ज्योति शर्मा द्वितीय उपविजेता रही। इस कार्यक्रम में राज्य भर जयपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, सीकर, लालसोट, दौसा के मॉडल ने फैशन रैंप वाक किया।

महिलाओं को सशक्त और उन्हें अपनी पहचान बनाने का अवसर

आयोजन का संचालन चिराग चौधरी और राकेश चौधरी ने इस पेजेंट को राजस्थान के सबसे बड़े और प्रभावशाली मंचों में शामिल किया है उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करता है। इस ग्रैंड फिनाले में रैंप वॉक, टैलेंट राउंड और प्रश्न-उत्तर सत्र जैसे विभिन्न आकर्षक सेगमेंट शामिल हुए, जिनका मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित जूरी पैनल द्वारा किया गया।

समाज के प्रतिष्ठित लोगों के मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएनएक्स न्यूज़ के मोहित तिवारी, रामाज कुर्तीस रिसोर्ट पैलेस के महावीर कुमार टेलर, रामाज रिसोर्ट पैलेस के मोहित टेलर एवं सोहित टेलर सहित अनेक प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे।

विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार

सीएनएक्स न्यूज़ के द्वारा आयोजित शिव ज्वेलर्स के द्वारा पावर्ड, अवांता एवं देसी बीट्स के द्वारा को-पावर्ड तथा ग्रैंड फिनाले वेन्यू पार्टनर के रुप में रामाज कुर्तीस, रिसोर्ट एवं पैलेस के रूप में सहयोग प्रदान किया गया। उत्साह, ग्लैमर और कड़ी प्रतिस्पर्धा से भरपूर यह ग्रैंड फिनाले एक यादगार साबित हुआ। इस मौके पर सभी प्रतिभागियों की शानदार ग्रैंड फिनाले का समापन के अवसर पर विजेताओं को नकद पुरस्कार दिया गया। गौर तलब है कि पूरे राजस्थान से प्रतियोगी आये थे।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में टाइगर सफारी बनी आकर्षण का केंद्र

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार को पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। बदलते मौसम के सुहावने मिजाज और छुट्टी के दिन के उत्साह ने पर्यटकों को प्रकृति की गोद में खींच लाया। कुल 1704 पर्यटकों ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों का नजदीक से अवलोकन किया।

इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण बनी रहीं। 216-216 पर्यटकों ने दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया और शेर व व्हाइट बाघ भीम व उसकी गोल्डन बहिन बाघिन स्कंधी की चंचल अदाओं को देख उत्साहित हुए। बाघों की गर्जना और शेरों के शाही ठाठ ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।सफेद बाघ की राजस्थान की पहली सफारी बना नाहरगढ़ जैविक उद्यान

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में संचालित दो प्रमुख सफारियां - टाइगर सफारी और लायन सफारी - इन दिनों जयपुरवासियों और बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़ी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शहर के मध्य में प्राकृतिक हरियाली और वन्यजीवों का यह संगम, लोगों को पारिवारिक सैर और रोमांच का अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है।लोग सफेद टाइगर को सफारी में देखकर अभिभूत हुए । राजस्थान की एक मात्र सफेद बाघ की सफारी में पर्यटक आज सफेद बाघ उसकी गोल्डन बहिन स्कंधी की अठखेलियां देख रोमांचित नजर आए

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं और प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ रेंजर शुभम शर्मा ने रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन और भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था की गई।

गिरावड़ी सूरदास धाम में बढ़ी भीड़, सुरक्षा व्यवस्था की मांग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

उदयपुरवाटी। झुंझुनूं जिले के बागोरा ग्राम पंचायत स्थित गिरावड़ी सूरदास धाम में इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को यहां हजारों लोगों की भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालु विभिन्न बीमारियों से राहत की उम्मीद लेकर धाम पहुंच रहे हैं,

जिसके चलते व्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ा है। धाम के महंत ने बढ़ती भीड़ और जंगल क्षेत्र में स्थित होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग प्रशासन से की है।

अरावली क्षेत्र के बीच स्थित इस धाम में राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब और दिल्ली सहित अन्य राज्यों से भी लोग पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यहां मिलने वाली भभूति, तांती और चिमटे से किए जाने वाले झाड़े से उन्हें विभिन्न रोगों में राहत मिलती है। इसी कारण सप्ताह के निर्धारित दिनों में यहां सुबह से ही लंबी कतारें लग जाती हैं और कई श्रद्धालु एक दिन पहले ही पहुंच जाते हैं।

धाम से जुड़े प्रबंधन के अनुसार, श्रद्धालुओं के बीच एलर्जी, गठिया, पथरी, गांठ और आंखों से संबंधित समस्याओं में राहत मिलने के दावे किए जाते हैं।

हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। बढ़ती भीड़ के कारण परिसर में आवागमन और ठहरने की व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

धाम घने जंगल क्षेत्र में स्थित होने के कारण वन्य जीवों का खतरा भी बना रहता है। इसे देखते हुए प्रबंधन समिति ने श्रद्धालुओं को निर्धारित समय सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच ही दर्शन करने की सलाह दी है। अन्य दिनों में रात्रि विश्राम नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अनहोनी के लिए स्वयं जिम्मेदार रहना होगा।

विश्व पार्किंसंस दिवस पर नारायणा हॉस्पिटल की जागरूकता पहल पर उन्नत उपचार विकल्पों पर चर्चा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। विश्व पार्किंसंस दिवस के अवसर पर नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा 'पार्किंसन? अब नहीं रोकेगा आपके कदम' विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पार्किंसंस रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके आधुनिक उपचार विकल्पों की जानकारी देना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन फोर प्वाइंट्स बाय शेराटन जयपुर, सिटी स्क्वायर में किया गया, जिसमें अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रबंधन प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान पार्किंसंस रोग के बढ़ते प्रभाव, समय पर पहचान और उपचार की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि पार्किंसंस एक प्रगतिशील मस्तिष्क विकार है, जो समय के साथ रोगी की दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करता है। हालांकि यह दीर्घकालिक रोग है, लेकिन समय पर उपचार और उचित देखभाल से रोगी सामान्य जीवनशैली बनाए रख सकते हैं।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर में उन्नत डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। पिछले दो वर्षों में यहां 3000 से अधिक पार्किंसंस मरीजों का उपचार किया गया है और 16 डीबीएस प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक की गई हैं।

डॉ. वैभव माथुर ने बताया कि डीप ब्रेन स्टिमुलेशन उन मरीजों के लिए उपयोगी उपचार विकल्प है, जिन पर दवाइयों का प्रभाव सीमित हो जाता है। इस प्रक्रिया में मस्तिष्क के विशिष्ट हिस्सों में इलेक्ट्रोड स्थापित कर नियंत्रित विद्युत संकेतों के माध्यम से लक्षणों को कम किया जाता है। उन्होंने कहा कि एडैप्टिव डीबीएस (ए-डीबीएस) तकनीक भी उपलब्ध है, जो मस्तिष्क के संकेतों के अनुसार स्वतः अपनी सेटिंग्स समायोजित करती है, जिससे उपचार अधिक सटीक बनता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि पारंपरिक डीबीएस प्रणाली स्थिर सेटिंग्स पर कार्य करती है, जबकि ए-डीबीएस तकनीक रोगी की स्थिति के अनुसार स्वतः प्रतिक्रिया देती है। इसे पार्किंसंस उपचार में तकनीकी प्रगति के रूप में देखा जा रहा है।

शिक्षक का जीवन दूसरों के लिए आदर्श ऐसे में नैतिक मूल्य बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी : मदन दिलावर

शिक्षा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने और व्यक्तित्व का निर्माण करने का कार्य करते हैं। सर्वश्रेष्ठ राजनेता, उद्योगपति, विधिवेत्ता, वैज्ञानिक के साथ ही श्रेष्ठ नागरिकों को तैयार करने का कार्य एक शिक्षक द्वारा किया जाता है। किसी भी व्यक्ति के लिए उसके जीवन एवं व्यक्तित्व को संवारने वाला शिक्षक सर्वाधिक सम्माननीय होता है। ऐसे में यह शिक्षकों का दायित्व है कि वे सुनिश्चित करें कि सर्वश्रेष्ठ नागरिक तैयार करने के इस पुनीत कार्य में किसी तरह की न्यूनता नहीं आए। हमारे विद्यालय सर्वश्रेष्ठ हों और शिक्षक के पद की गरिमा ऊंचाईयों पर पहुंचे यह सभी का प्रयास होना चाहिए।

दिलावर रविवार को कोटा जिले के सियाम ऑडिटोरियम में शिक्षा संवाद कार्यक्रम में कोटा एवं बूंदी जिलों के 627 प्रधानाचार्यों एवं शिक्षा अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक का जीवन विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों के लिए आदर्श होता है। दूसरे हमेशा उनसे सीखते हैं ऐसे में सार्वजनिक जीवन में भी उन्हें नैतिकता के मापदंडों पर खरा उतरना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य विद्यालय का मुखिया होता है ऐसे में उन्हें भी समय की पाबंद के ध्यान रखते हुए अपने व्यवहार और हाव-भाव से दूसरों को प्रेरणा देने वाला होना चाहिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालयों का संचालन करने वाले प्रधानाचार्यों से बात करने और उनके सुझाव आमंत्रित करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी शिक्षक अपनी भूमिका अच्छे से निभाए तो उसे विद्यार्थियों द्वारा जीवन भर याद रखा जाता है। शिक्षक सिर्फ मानदेय या वेतन के लिए नहीं कार्य करने वाले कर्मचारी नहीं बल्कि समाज को दिशा देने वाली भूमिका से अपने आपको परखें।

शिक्षा मंत्री ने प्रधानाचार्यों को सुझाव दिया कि सभी अपने विद्यालय में पढ़ चुके पूर्व छात्रों की सूची बनाकर एलुमनाई मीट में उन्हें बुलाएं। उन्होंने कहा कि आपके विद्यालय से पढ़े हुए छात्र कहीं अच्छे राजनेता, प्रोफेसर, उद्योगपति, वैज्ञानिक एवं सफल बिजनेसमैन बन चुके होंगे। उन्हें एलुमनाई मीट में बुलाएं और मुझे पक्का विश्वास है कि वह आपके विद्यालय के भवन, कमरे, फर्नीचर, स्मार्ट क्लास रूम एवं अन्य सुविधाओं के लिए आगे बढ़कर सहयोग करेंगे क्योंकि उस विद्यालय में प्राप्त शिक्षा से ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। उन्होंने स्थानीय स्तर पर भी भामाशाहों का सहयोग लेने के लिए कहा।

दिलावर ने कहा कि सभी विद्यालय नशा मुक्ति बने और विद्यालयों के आसपास के क्षेत्र में भी कोई गुटखा बीड़ी का सेवन नहीं करें इसके लिए सभी को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि शराब पीने गुटखा खाने और तंबाकू खाने वाले कर्मचारियों की सूची तैयार करें। दिलावर ने कहा कि हाल ही में प्रवेशोत्सव मनाया गया जिसमें कई बच्चों के नाम स्कूलों में जोड़े गए हैं। प्रधानाचार्य इस बात पर जरूर ध्यान दें कि यदि किसी बच्चे का नाम सुनने में अच्छा नहीं लगे और भविष्य में उसे उससे उस बच्चे के मन में शर्मिंदगी का भाव आए, ऐसा लगने पर अभिभावकों को जरूर समझाएं कि बच्चे के लिए कोई अच्छा नाम चुनें। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत में संयुक्त निदेशक कोटा संभाग आशा मांडावत ने शिक्षा मंत्री एवं अन्य का स्वागत करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। डॉ. राजश्री गोहटकर ने वंदे मातरम की प्रभावी प्रस्तुति दी। संगीत विद्यालय रामपुरा, कोटा की कत्थक गुरु बरखा जोशी के निर्देशन में केसरिया बालम आओ नी...पधारो म्हारे देश स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। स्वामी की विवेकानंद विद्यालय की बालिकाओं ने भी प्रस्तुतियां दी। सभी को मंच पर बुलाकर उन्हें सम्मानित किया गया। मंच संचालन पुरुषोत्तम शर्मा ने किया।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार, 4 जिंदा कारतूस बरामद

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों व अवैध हथियार के विरुद्ध धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस थाना दिहौली ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को एक पिस्टल एसएमपी 25 बोर सहित पकड़ा है। जिसके कब्जे से 4 जिंदा कारतूस बरामद किए है। थानाधिकारी सुखराम विश्नोई द्वारा थाना से जसराम हैड कानि. जाप्ता को रवाना किया गया। जिस पर मुखबिर की सूचना पर मरैना से रैहना माता मंदिर रोड पर रामसिंह का पुरा गांव के पास डेम से नई सड़क गोलीपुरा की तरफ जाने वाले रास्ते पर आरोपी पंकज कुमार पुत्र रामअवतार खटीक उम्र 22 साल निवासी रामसिंह का पुरा को एक पिस्टल एचएमपी 25 बोर व चार जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा। जिस पर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया जाकर राजवीर एएसआई द्वारा अनुसंधान जारी है।

कन्यादान मुहिम से संवरती खुशियां 71,810 की राशि ससम्मान बेटियों को सुपुर्द

» धौलपुर...बेटियों को राशि भेंट करते कुशवाह पदाधिकारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। कुशवाह कर्मचारी संघ के तत्वावधान में संचालित कन्यादान मुहिम के अंतर्गत समाज की एकजुटता, सहयोग एवं मानवीय संवेदनाओं का प्रेरणादायक उदाहरण देखने को मिला। इस मुहिम के तहत एकत्रित कन्या दान राशि 71,810 की राशि सम्मान प्रेमसिंह कुशवाह निवासी आकपुरा, बसेड़ी) की सुपुत्रियों शशि एवं वर्षा को उनके विवाह हेतु सुपुर्द की गई। यह सहयोग राशि समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त स्वैच्छिक योगदान से एकत्रित की गई, जिसने इस पुनीत कार्य को सफल बनाया।

इस अवसर पर कुशवाह कर्मचारी संघ, धौलपुर के अध्यक्ष हेमसिंह कुशवाह ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यों में सभी को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और इस प्रकार के पुनीत कार्य निरंतर होते रहने चाहिए। उन्होंने बेटियों के उज्ज्वल एवं सुखद वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएं भी व्यक्त कीं। साथ ही बसेड़ी कुशवाह समाज के ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णा कुशवाह ने भी कर्मचारी संघ एवं सभी समाज बंधुओं का इस पुनीत कार्य हेतु सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। और कहा समाज को समय समय पर ऐसे कार्यों में हमेशा सहयोग करते रहना चाहिए क्योंकि बूंद बूंद से ही गढ़ा भरता है इस अवसर पर उपाध्यक्ष मोहन सिंह कुशवाह, ब्लॉक अध्यक्ष (बसेड़ी) कर्मचारी संघ अतर सिंह कुशवाह, कोषाध्यक्ष जीतू कुशवाह, रामहेत कुशवाह, देवेंद्र कुशवाह, दीवान कुशवाह, प्रमोद कुशवाह, बत्तीलाल कुशवाह, प्रेमसिंह कुशवाह, सरपंच निरोतीलाल कुशवाह, अशोक कुशवाह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह पहल केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि एक भावनात्मक संबल भी है, जो जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा और विश्वास का प्रतीक बनती है। इस मुहिम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने स्वेच्छा से सहयोग कर यह सिद्ध किया कि सामूहिक प्रयास से हर कठिनाई को सरल बनाया जा सकता है।

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने हेतु राष्ट्रव्यापी गौ सम्मान आह्वान अभियान 27 अप्रैल को

राजाखेड़ा में हुई रणनीतिक बैठक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर 27 अप्रैल को देशभर में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत राष्ट्रव्यापी ज्ञापन सौंपे जाएंगे। इसी संदर्भ में बिचौला रोड स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में गौ भक्तों एवं सर्व समाज की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 27 अप्रैल को राजाखेड़ा उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह ज्ञापन उपखंड अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति के नाम प्रेषित किया जाएगा। वहीं जिला स्तर पर जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में लगातार अभियान को राजाखेड़ा में मजबूती दे रहे गौ सेवक योगेंद्र सिंह राघव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय कार्यकर्ता कुश राठौर एवं स्कंध वशिष्ठ ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाना करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय है। इसके लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा जनआंदोलन है तथा गौ भक्त लोकतांत्रिक तरीके से सड़क से लेकर सदन तक अपनी मांग को मजबूती से उठाते रहेंगे।जब तक गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा।बैठक में धौलपुर जिले से अभियान के सक्रिय कार्यकर्ता राम शर्मा एवं संत वैष्णवदास विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान शशांक उपाध्याय, विक्की दीक्षित,मानसिंह, विशंभरदयाल शर्मा, राजू तिवारी सहित अनेक गौ भक्त एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर आयोजित

विधायक ने रक्तदान कर आमजन को किया जागरूक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बसेड़ी...रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र सौंपते विधायक संजय कुमार

बसेड़ी। भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में नयाबास, बसेड़ी में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर विकास समिति, बसेड़ी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के मुख्य अतिथि बसेड़ी विधायक संजय कुमार जाटव रहे, जबकि अध्यक्षता जाटव समाज अध्यक्ष रोशन लाल नेताजी ने की। शिविर में कुल 27 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान विधायक संजय कुमार जाटव एवं उनके पीएसओ प्रेमचंद ने स्वयं रक्तदान कर आमजन को प्रेरित किया।

विधायक संजय कुमार ने कहा कि 'रक्तदान सबसे बड़ा दान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के आदर्शों पर चलते हुए हमें समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। मैं क्षेत्र के युवाओं से अपील करता हूं कि वे नियमित रूप से रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। 'रक्तदाताओं में अजय सिंह, अनिल, रिंकेश, कुलदीप, अनिल कुमार, विनय सिंह, अंकुर सिंह, प्रदीप, दीपक, बंटू सिंह, राजेश्वरी, सत्यपाल, राजेश, गौरव, नितिन, सत्यवीर, रविंद्र, रोहित, अजय, विक्रांत सिंह, प्रदीप, भारती, रोहित, दिलीप, प्रेमचंद एवं करीना मणिक शामिल रहे।

आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इसे समाजहित में सराहनीय पहल बताया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें बिजेंद्र सिंह ओसवाल, राजवीर सिंह, नाहर सिंह ठेकेदार, ओमप्रकाश कैन दौपुरा, छीतरिया लाल, चंद्रपाल सिंह , छोटेलाल गिरदावर, अमर सिंह, बदन सिंह, बद्रीसिंह पूर्व प्रधान, भीकम सिंह हिंगोटा, ओमप्रकाश मौर्य, राजेंद्र, भंवरसिंह, धारा सिंह, मवासिया राम, रामप्रसाद, रामबीर सिंह एवं रामचरण लाल सहित अन्य मौजूद रहे।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में टाइगर सफारी बनी आकर्षण का केंद्र

1704 सेलानियों ने किया पार्क का भ्रमण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार को पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। बदलते मौसम के सुहावने मिजाज और छुट्टी के दिन के उत्साह ने पर्यटकों को प्रकृति की गोद में खींच लाया। कुल 1704 पर्यटकों ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों का नजदीक से अवलोकन किया।

इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण बनी रहीं। 216-216 पर्यटकों ने दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया और शेर व व्हाइट बाघ भीम व उसकी गोल्डन बहिन बाघिन स्कंधी की चंचल अदाओं को देख उत्साहित हुए। बाघों की गर्जना और शेरों के शाही ठाठ ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में संचालित दो प्रमुख सफारियां - टाइगर सफारी और लायन सफारी - इन दिनों जयपुरवासियों और बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़ी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शहर के मध्य में प्राकृतिक हरियाली और वन्यजीवों का यह संगम, लोगों को पारिवारिक सैर और रोमांच का अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है। लोग सफेद टाइगर को सफारी में देखकर अभिभूत हुए । राजस्थान की एक मात्र सफेद बाघ की सफारी में पर्यटक सफेद बाघ उसकी गोल्डन बहिन स्कंधी की अठखेलियां देख रोमांचित नजर आए। उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं और प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ रेंजर शुभम शर्मा ने रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन और भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था की गई। पर्यटकों को टिकटिंग, वाहन सुविधा, दिशा-निर्देश और सफाई व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गयाइसके साथ ही देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि सफेद बाघ भीम और गोल्डन बाघिन स्कंधी को टाइगर सफारी में शिफ्ट किया गया है आज से इन्हें टाइगर सफारी में पर्यटकों के दीदार हेतु छोड़ा गया है पूर्व में इनकी अठखेलियां जैविक उद्यान में ही देखने को मिलती थी अब यह सफारी एरिया को गुलजार करेंगे।

वन विभाग की सतत निगरानी और प्रबंधन के कारण नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के सर्वाधिक लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शुमार हो गया है। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि पर्यटकों के लिए शिक्षाप्रद और मनोरंजक अनुभव का केंद्र भी बन गया है।

आंगई पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर वाहन चालकों के खिलाफ की कार्रवाई

10 वाहनों के चालान कर करीब 10 हजार रुपये की जुर्माना राशि की वसूल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सरमथुरा। आंगई इलाके में सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने बावत चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा हैं।

आंगई एसएचओ कृपाल सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने बावत चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाने के सामने सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु वाहन चैकिंग व यातायात नियमों की अनुपालना बावत अभियान चलाकर बिना हैलमेट पहने दुपहिया वाहन चालक, बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाने वाले चौपहिया वाहन चलाने वाले करीब 10 वाहनों के खिलाफ एमवी एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर करीब 10 हजार की जुर्माना राशि वसूल की गई। इसी दौरान वहां से गुजरने वाले आम नागरिक ,वाहन चालक व सवारियों से समझाईश की गई कि यातायात के नियमों की पालना करें ताकि आपका अमूल्य जीवन बचाया जा सके व सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं में किसी की जान नही जाये एवं सडक दुर्घटनाओं में भी कमी लाई जा सके। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी कृपाल सिंह सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

जयपुर में जालसाजी में हॉस्पिटल संचालक अरेस्ट

पेसेंट के डॉक्यूमेंट में किया था कांटछांट, आरजीएचएस साइट पर किया था अपलोड

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर पुलिस ने जालसाजी के मामले में एक प्राइवेट हॉस्पिटल के संचालक को अरेस्ट किया है। पेसेंट के डॉक्यूमेंट में कांटछांट कर हॉस्पिटल संचालक की ओर आरजीएचएस साइट पर अपलोड किए थे। मानसरोवर थाना पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी डॉक्टर से पूछताछ कर रही है।

एसएचओ (मानसरोवर) लखन सिंह खटाना ने बताया- जालसाजी के मामले में डॉ. सोमदेव बंसल (45) पुत्र जगदीश बंसल निवासी समराथल धौलपुर को अरेस्ट किया है। वह श्याम नगर में रहकर मानसरोवर स्थित निविक हॉस्पिटल का संचालन करते है। सितम्बर-2025 में एडवोकेट जितेंद्र शर्मा की ओर से मानसरोवर थाने में निविक हॉस्पिटल में इलाज के दौरान लापरवाही के चलते मां की मौत का आरोप लगाया था।

मानसरोवर थाने में दर्ज एफआईआर पर कार्रवाई नहीं होने पर वकीलों की ओर से हाईकोर्ट रोड जाम कर प्रदर्शन किया गया था। मामले की जांच के दौरान हॉस्पिटल संचालक डॉ. सोमदेव बंसल की ओर से कई पेसेंट के डॉक्यूमेंट में कांटछांट कर आरजीएचएस साइट पर अपलोड करने की अनियमिता पाई गई। पुलिस की ओर से कार्रवाई करते हुए रविवार दोपहर आरोपी डॉक्टर डॉ. सोमदेव बंसल को अरेस्ट किया गया। मामले में इलाज के चलते लापरवाही नहीं पाई गई है।

बाइक स्टंट के दौरान युवती से छेड़छाड़, चार दबोचे

जयपुर। जयपुर में चलती बाइक पर युवती से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने रविवार शाम को खुलासा किया है। शराब पार्टी के बाद निकले युवकों ने बाइक पर स्टंट करते हुए यह शर्मनाक हरकत की। बताया जा रहा है कि आरोपी इस दौरान वीडियो भी बना रहे थे। मुहाना थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुहाना थाना पुलिस ने मनराज मीणा (24) निवासी नगरफोर्ट टोंक, सुदामा मीणा (24) निवासी नगरफोर्ट टोंक, महेश बंजारा (19) निवासी नगरफोर्ट टोंक और लोकेश बंजारा (21) निवासी बांदीकुई दौसा को अरेस्ट किया है। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने शराब पार्टी के बाद बाइक पर स्टंट का वीडियो बनाते हुए युवती से गंदी हरकत करना कबूल किया है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने बताया कि आरोपी मनराज मीणा के खिलाफ पूर्व में भी करीब आधा दर्जन मामले दर्ज है। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने बताया कि आरोपी मनराज मीणा के खिलाफ पूर्व में भी करीब आधा दर्जन मामले दर्ज है। इन्हें पकड़ने में हेड कॉन्स्टेबल लोकेश, भंवर लाल और कॉन्स्टेबल ओमप्रकाश का अहम योगदान रहा है। पुलिस से बचने के लिए बार-बार छिपने के लिए ठिकाने बदल रहे चारों आरोपियों को दौसा में दबिश देकर पकड़ा गया है।

संपादकीय

बारहवीं कक्षा के बाद सही कैरियर पाठ्यक्रम का चयनः सफलता का मार्ग

डॉ विजय गर्ग

बारहवीं कक्षा का पूरा होना एक छात्र के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह वह चरण है जहां किसी को अपने भविष्य के करियर की दिशा तय करनी होगी। आज उपलब्ध विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, सही पाठ्यक्रम चुनना भारी पड़ सकता है। हालाँकि, उचित मार्गदर्शन, आत्म-जागरूकता और अवसरों की समझ के साथ, छात्र सूचित निर्णय ले सकते हैं जो पूर्ण करियर की ओर ले जाते हैं। अपनी रुचियों और ताकत को समझना पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम आत्म-मूल्यांकन है। छात्रों को पाठ्यक्रम चुनने से पहले अपनी रुचियों, कौशल और योग्यता की पहचान करनी चाहिए। साथियों के दबाव या सामाजिक अपेक्षाओं की बजाय जुनून पर आधारित करियर चुनने से अक्सर दीर्घकालिक संतुष्टि और सफलता मिलती है। विज्ञान छात्रों के लिए कैरियर विकल्प विज्ञान क्षेत्र के छात्रों के पास विविध अवसर हैं। पारंपरिक पथों में इंजीनियरिंग (बी.टेक), मेडिसिन (एमबीबीएस) और फार्मेसी (बी.फार्म) शामिल हैं। इनके अलावा, जैव प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्र भी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रम भी आशाजनक विकल्प हैं। वाणिज्य छात्रों के लिए कैरियर विकल्प वाणिज्य के छात्र बैचलर ऑफ कॉ र्स (बी.कॉम), चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) जैसे पाठ्यक्रमों का पता लगा सकते हैं। वित्त, बैंकिंग, प्रबंधन और उद्यमिता में करियर उत्कृष्ट विकास की संभावनाएं प्रदान करता है। डिजिटल बाजारों के उदय के साथ, ई-कॉमर्स और वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) जैसे क्षेत्र भी विस्तार कर रहे हैं। कला/मानवता विज्ञान के छात्रों के लिए कैरियर विकल्प कला के छात्रों के पास कैरियर विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला होती है, जिसमें स्नातक कला (बीए), पत्रकारिता, कानून (एलएलबी), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान शामिल हैं। जनसंचार, फैशन डिजाइनिंग और ललित कला जैसे रचनात्मक क्षेत्र भी रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं। सिविल सेवा कई मानविकी छात्रों के लिए एक लोकप्रिय लक्ष्य बनी हुई है। व्यावसायिक और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में, कौशल-आधारित शिक्षा तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। डिजिटल ंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, एनीमेशन, होटल प्रबंधन और पर्यटन के पाठ्यक्रम ज्ञान और तेजी से रोजगार प्रदान करते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को उद्योग से संबंधित कौशल प्राप्त करने में भी मदद करते हैं। कैरियर परामर्श का महत्व कैरियर परामर्शदाताओं, शिक्षकों और पेशेवरों से मार्गदर्शन प्राप्त करने से छात्रों को विभिन्न करियर पथों को समझने में मदद मिल सकती है। परामर्श सत्र, योग्यता परीक्षण और कैरियर सेमिनार निर्णय लेने में स्पष्टता और आत्मविश्वास प्रदान कर सकते हैं।प्रौद्योगिकी और उभरते करियर की भूमिका प्रौद्योगिकी कार्य के भविष्य को आकार दे रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग में करियर की अत्यधिक मांग है। छात्रों को उद्योग के रुझानों से अवगत रहना चाहिए तथा ऐसे पाठ्यक्रम चुनना चाहिए जो भविष्य के नौकरी बाजार के अनुरूप हों।

निष्कर्ष बारहवीं कक्षा के बाद कैरियर पाठ्यक्रम चुनना सिर्फ डिग्री का चयन करना नहीं है। यह किसी के भविष्य को आकार देने के बारे में है। कोई भी विकल्प नहीं है; सही चुनाव व्यक्तिगत रुचियों, क्षमताओं और लक्ष्यों पर निर्भर करता है। सावधानीपूर्वक योजना बनाने, निरंतर सीखने और समर्पण के साथ, छात्र अपने चुने हुए किसी भी क्षेत्र में सफल और सार्थक करियर बना सकते हैं।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

> यह जो पैसा बांटा जाता है हर चुनाव से पहले, वह किसी जादुई पैसों के पेड़ से नहीं आता है। यह पैसा आता है राष्ट्र निर्माण की उन योजनाओं से जो देश में असली परिवर्तन ला सकती हैं। युद्ध के इस दौर में क्या केरल में खैरात पर सत्रह हजार करोड़ से लेकर पच्चीस हजार करोड़ रुपए खर्च करने चाहिए? असम में खैरात पर खैरात की कीमत एक हजार करोड़ रुपए से लेकर पंद्रह सौ करोड़ रुपए ह

वोट के बदले खैरात या विकास की कीमत चुनावी मौसम में 1 लाख करोड़ का सवाल

फिर आया चुनावों का मौसम सो फिर आया मौसम खैरात बांटने का। दूसरे नजरिए से देखा जाए, तो कह सकते हैं कि मौसम है वोटों को खरीदने का। हर चुनाव में ऐसा लगता है कि राजनेताओं की खैरात का बिल और लंबा होता जा रहा है और वोट के दाम महंगे होते जा रहे हैं। राजनीतिक दल पैसा अपना लगाते इस चुनावी रिश्वत पर, तो शायद एतराज मेरे जैसे लोग बिल्कुल नहीं करते, लेकिन यह पैसा जब बांटा जाता है उन राजनीतिक दलों द्वारा जिनकी सरकारें होती हैं किसी राज्य में, तो खैरात करदाताओं के पैसों से बंटती है, इसको मैं गलत भी मानती हूं और राष्ट्रविरोधी भी। यही कारण है कि मैं इसके बारे में तकरीबन हर चुनावी मौसम में लिखती हूं।

यह जो पैसा बांटा जाता है हर चुनाव से पहले, वह किसी जादुई पैसों के पेड़ से नहीं आता है। यह पैसा आता है राष्ट्र निर्माण की उन योजनाओं से जो देश में असली परिवर्तन ला सकती हैं। युद्ध के इस दौर में क्या केरल में खैरात पर सत्रह हजार करोड़ से लेकर पच्चीस हजार करोड़ रुपए खर्च करने चाहिए? असम में खैरात पर खैरात की कीमत एक हजार करोड़ रुपए से लेकर पंद्रह सौ करोड़ रुपए है। तमिलनाडु में पैंतीस हजार करोड़ रुपए से लेकर पचास हजार करोड़ रुपए खर्चे जाने का अनुमान है।

ज्यादातर यह सारा पैसा जाता है महिलाओं को महीने का जेबखर्च देने पर, छात्रों को उनकी पढ़ाई के लिए और बसों में सफर मुफ्त करने पर। यानी इस पैसे से केवल उन लोगों को लाभ होता है जिनके बैंक खातों में यह जाता है। ऊपर से इतनी थोड़ी होती है यह रकम कि न इससे कोई कारोबार शुरू किया जा सकता है और न लाभार्थियों को कोई ठोस लाभ होता है। इस युद्ध ने भारत में खास संकट इसलिए पैदा किया है कि अपने देश में ऊर्जा के तकरीबन सारे साधन हम आयात करते हैं। युद्धविराम अगर कायम नहीं रहता और युद्ध लंबा चलता है, तो विशेषज्ञों को चिंता है कि तेल-गैस के दाम और बढ़ जाएंगे और रुपए की कीमत घटती रहेगी। जिन तीन राज्यों की बात मैंने आज की है, उनका तमाम खैरात का हिसाब लगाया जाए, तो पचासी हजार करोड़ रुपए से लेकर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक करदाताओं का पैसा जा रहा है ऐसी चीजों पर, जिनसे देश को कोई फायदा नहीं होता है। फायदा होता है सिर्फ राजनीतिक दलों का और वह भी सिर्फ एक चुनाव के लिए।

उधर है हमारा सबसे बड़ा दुश्मन चीन जो मौन रह कर देख रहा है युद्ध के नजारे। ईरान का तकरीबन नब्बे फीसद तेल चीन खरीदता है और होर्मुज जलमार्ग से अभी भी उसके टैंकर जा रहे हैं इसलिए कि ईरान से उसकी गहरी दोस्ती है, लेकिन युद्ध लंबा चलने से चीन को कोई खास तकलीफ नहीं होने वाली है। इसलिए कि विशेषज्ञों का अनुमान है कि चीन की बीस फीसद ऊर्जा अब आती है सूरज और वायु से। ऊपर से वह बिजली की गाड़ियों के निर्माण में भी सबसे आगे है। अनुमान है कि कुछ श्रेणियों में जितनी बिजली की गाड़ियां यूरोप, जापान और अमेरिका में बनती हैं, उससे ज्यादा बन कर निकलती हैं चीन के कारखानों से।

भारत क्यों इतना पीछे रह गया है उन क्षेत्रों में जहां बनते हैं प्रगति लाने के महत्त्वपूर्ण औजार? क्या इसलिए कि इस नवीकरणीय ऊर्जा पर बहुत खर्चा होता है। इतने पैसे हमारी सरकारों की तिजोरी में बचते नहीं हैं जब खैरात के बिल अदा कर चुके होते हैं? पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के सरकारी ठेकेदारों ने हड़ताल पर जाने की धमकी दी इस वजह से कि सरकार उनके बिल अदा नहीं कर पा रही है।

महाराष्ट्र सरकार अपनी 'लाडली बहनों' को घर बैठे ही हर महीने पंद्रह सौ रुपए से ज्यादा देती है। इसका सालाना खर्चा करीब पचास हजार करोड़ बनता है। ऐसे में कहां से आएगा ठेकेदारों को देने के लिए पैसा? उनका कहना है कि महाराष्ट्र सरकार उनके कोई 96 हजार करोड़ रुपए देने से कतरा रही है पिछले कुछ सालों से जल जीवन मिशन और ग्रामीण विकास योजनाओं के निर्माण के लिए।

क्या बेहतर न होता अगर हमारे आला राजनेता तय करते कि खैरात पर खर्च कम कर विकास की असली योजनाओं पर निवेश किया जाए? मिसाल के तौर पर वायु और सूरज से ऊर्जा बनाने पर। इस तरह की बातें जब मैं करती हूं देश के आला अधिकारियों से, तो अक्सर जवाब देते हैं कि चीन की तुलना भारत से नहीं होनी चाहिए। एक लोकतांत्रिक देश की तुलना कैसे हो सकती है एक तानाशाही देश के साथ? तानाशाही के फायदे हैं ऐसे मामलों में जरूर, लेकिन मेरा मानना है कि हमारी नीतियां भी इतनी गलत रही हैं कि चीन विकास की दौड़ में हमसे इतना आगे भाग चुका है कि अर्थशास्त्री मानते हैं कि वह भारत से पचास साल आगे है।

चीन हमसे आगे कई क्षेत्रों में है जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता। मेरा मानना है कि विकास, तकनीक और आधुनिकता की दौड़ में भारत पीछे रह गया है कुछ इसलिए कि हमारे देश में चुनावों का मौसम हर साल आता है और कुछ इसलिए कि हमारे अर्थशास्त्रियों ने सरकारों को गलत चीजों पर पैसा खर्च करने से कभी नहीं रोका है। न ही हम मीडिया वालों ने ठीक से चौकीदारी की है, वरना बहुत पहले हमको सरकारों को सावधान कर देना चाहिए था कि हमारा पैसा वोट खरीदने पर न बर्बाद किया जाए।

अब जब अच्छे दिनों का मौसम सारी दुनिया से गायब होता दिख रहा है, तो क्या यह सही समय नहीं है कि प्रधानमंत्री चुनाव प्रचार से थोड़ी फुर्सत निकाल कर अपने आला अधिकारियों से मिल कर पूछें कि चीन क्यों इतना आगे बढ़ गया है। यहां याद रखना यह भी जरूरी है कि 1990 तक चीन और भारत विकसित होने की इस दौड़ में बराबर चल रहे थे।

तकनीक के दौर में अंधविश्वास का जाल, महिलाओं पर बढ़ता खतरा और समाज के सामने कड़वी सच्चाई

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि तकनीकी तरक्की और शिक्षित समाज के बढ़ते आंकड़ों के बीच देश के दूरदराज के क्षेत्रों से लेकर बड़े शहरों तक अंधविश्वास की जकड़बंदी खत्म नहीं हो रही है। एक ओर धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर महिलाओं का शोषण किया जाता है, तो दूसरी ओर मुसीबतों से छुटकारा पाने के लिए तांत्रिकों के इशारे पर मासूम बच्चों की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं में लालच और स्वार्थ का खेल स्पष्ट नजर आता है।

सब कुछ सही कर देने वाले वादों और दावों के जाल में लोग आसानी से फंस जाते हैं। खासकर महिलाएं अंधविश्वास के फेर में पड़कर अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालने को तैयार हो जाती हैं। कुंठित और आपराधिक मानसिकता वाले स्वयंभू बाबाओं तथा तांत्रिकों से लंबे समय तक जुड़े रहना न केवल समग्र समाज को नकारात्मक संदेश देता है, बल्कि आज के शिक्षित वर्ग की सोच एवं समझ पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

हाल में झारखंड के हजारीबाग में एक स्तब्ध करने वाली घटना सामने आई। खबरों के मुताबिक, एक महिला ने अपने बेटे की शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से निजात पाने के लिए तांत्रिक के कहने पर अपनी बेटी की हत्या कर दी। इसी तरह एक ढोंगी बाबा द्वारा महिलाओं की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं सुलझाने के नाम पर यौन शोषण से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचारित हुए। यह मामला चर्चा और चिंता का गंभीर विषय है।दरअसल, अंधी आस्था के साथ शुरू होने वाला यह जालसाजी का खेल भयादोहन तक जा पहुंचता है। कई महिलाएं अपने परिवार को बताए बिना ऐसे स्वयंभू बाबाओं से मिलती हैं और घर-आंगन, बच्चों या जीवनसाथी से जुड़ी परेशानियों का हल ढूंढने के फेर में इस दलदल में धंसती चली जाती हैं। कई बार तो वे ढोंगी बाबा की सच्चाई जानने के बाद भी इस जाल से बाहर नहीं निकाल पातीं। ऐसे फर्जी जुड़ावों से पनपी जद्दोजहद आगे चलकर आपराधिक घटनाओं का भी कारण बनती है। बदनामी के भय के कारण कई महिलाएं तो आत्महत्या का रास्ता तक चुन लेती हैं।हाल के वर्षों में शिक्षा, अनुसंधान और अन्य वैज्ञानिक उपलब्धियों के मोर्चे पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। बावजूद इसके कभी डायन बताकर तो कभी जादू-टोना करने के नाम पर महिलाओं की हत्या कर दी जाती है। ऐसी घटनाओं के पीछे स्पष्ट रूप से स्वार्थ साधने का व्यावहारिक खेल होता है। गौरतलब है कि इस तरह की अधिकतर घटनाओं की जांच में संपत्ति विवाद, मुखर विरोध के लिए किसी स्त्री को सबक सिखाना और शारीरिक शोषण के विरोध जैसे कारण ही सामने आते हैं। ऐसे कई मामलों की तो पुलिस में शिकायत तक नहीं की जाती। अगर शिकायत दर्ज करा भी दी जाए, तो उचित कानूनी कार्रवाई होने की संभावना बहुत कम होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2001 से 2023 के बीच झारखंड में डायन-बिसाही के अंधविश्वास के कारण सैकड़ों हत्याएं हुई हैं। वर्ष 2023 में देश में सबसे अधिक 22 ऐसी हत्याएं झारखंड में ही दर्ज कीं गईं। यह आंकड़ा वर्ष 2022 में 11 हत्याओं से सौ फीसद अधिक है। विभिन्न रपटों के मुताबिक, झारखंड में हर वर्ष औसतन 25-30 लोग अंधविश्वास के शिकार होते हैं। पिछले वर्ष झारखंड के धनबाद में अंधविश्वास के कारण पांच महिलाओं को डायन बताकर उनसे मारपीट की गई और उन्हें गांव से निकाल दिया गया। इसके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, ओड़ीशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अंधविश्वास की जड़ें बहुत गहरी हैं।एक ओर गांवों-कस्बों में महिलाएं अंधविश्वास की वजह से इस दलदल में उतर जाती हैं, तो दूसरी ओर शहरों-महानगरों में शिक्षित स्त्रियों का खुद इस जाल में फंसना भी एक दुखद सच है। व्यवस्थागत रूप से श्रद्धा के नाम पर फैलाए गए ऐसे ढोंग के चक्रव्यूह में महिलाओं को सोची-समझी रणनीति के तहत फंसाया जाता है, जिससे धीरे-धीरे पाखंड का एक पूरा साम्राज्य खड़ा हो जाता है। अफसोस की बात है कि पाखंडियों के षड्यंत्र में फंसी महिलाएं कई भ्रांतियों का शिकार होकर पूरी तरह अंधसमर्थन की राह पकड़ लेती हैं।

दरअसल, हमारा पूरा सामाजिक और पारिवारिक ढांचा बहुत सी समस्याओं से ग्रस्त है। इन परेशानियों को महिलाएं ही अधिक झेलती हैं और इसी कारण उन्हें भावनात्मक रूप से गुमराह करना आसान हो जाता है। अंधविश्वास की अवधारणाओं के कारण उन्हें तांत्रिकों और स्वयंभू बाबाओं के दावे हर बीमारी एवं परेशानी का हल लगते हैं। आडंबर की इस आड़ में वे आर्थिक, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक शोषण का शिकार हो जाती हैं

।यह बेहद चिंताजनक है कि कहीं स्त्रियां स्वयं अंधविश्वास के जाल में फंसकर अपने जीवन को मुश्किल में डाल रही हैं, तो कहीं परिवार-समाज का अंधविश्वास उनका जीवन छीन रहा है। अज्ञानता से पोषण पाती यह दिशाहीन और अतार्किक सोच आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। इतना ही नहीं, विज्ञान से मिली सहूलियत के बावजूद दिशाहीनता बढ़ रही है। तकनीक की बढ़ती पहुंच के दौर में आभासी दुनिया में परोसी जा रहीं श्रद्धा और विश्वास से जुड़ी भ्रामक जानकारियां भी अंधविश्वास बढ़ा रही हैं।प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भ्रम फैलाने और कुप्रथाओं को बढ़ावा देने वाली सामग्री, वीडियो और 'रील' हर ओर छाए हुए हैं। इनमें भी बेबुनियाद बातों और चमत्कारों का दावा किया जाता है। ऐसे में वास्तविक संसार की दुखद घटनाओं से लेकर आभासी दुनिया की पूर्वाग्रही जानकारियों तक, हर मोर्चे पर सजगता आवश्यक है। महिलाओं के जीवन को मुश्किल में डालने वाली सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास के उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियानों को और व्यापक बनाने की दरकार है। साथ ही जाने-अनजाने छल-छद्म के जाल में फंसने वाली महिलाओं को भी सचेत रहने की आवश्यकता है।

नए युग का भारत और बदलती शिक्षा

> शिक्षा किसी भी राष्ट्र की नींव है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव से ऑनलाइन शिक्षा ने नया रूप ले लिया है। स्मार्ट क्लासरूम, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल सामग्री ने छात्रों के लिए सीखना आसान और दिलचस्प बना दिया ह

डॉ. विजय गर्ग

आज का भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में जाना जा रहा है। किसी भी देश की प्रगति का आधार उसकी शिक्षा प्रणाली है। 'उड़ता हुआ भारत' का सपना तभी साकार हो सकता है जब हमारी शिक्षा प्रणाली 'उड़कती' हो, अर्थात समय की हानी और अग्रगामी हो। आज भारत अपनी पुरानी परंपराओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर शिक्षा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत आज एक तेजी से विकासशील देश है, जिसे अक्सर 'उत्साही भारत' कहा जाता है। अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, उद्योग और अंतर्विषयक क्षेत्र में प्रगति ने देश को वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थान दिया है। लेकिन इस उभरते भारत की असली ताकत उसकी शिक्षा प्रणाली में छिपी हुई है। यदि शिक्षा उच्च उड़ान भरती है, तो देश भी नई ऊंचाइयों को छूता है।

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की नींव है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव से ऑनलाइन शिक्षा ने नया रूप ले लिया है। स्मार्ट क्लासरूम, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल सामग्री ने छात्रों के लिए सीखना आसान और दिलचस्प बना दिया है। अब शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छात्र दुनिया भर की जानकारी तक पहुंच सकते हैं।

नई शिक्षा नीति ने भी शिक्षण को अधिक लचीला और छात्र-केंद्रित बनाने का प्रयास किया है। कौशल आधारित शिक्षा, रचनात्मकता और नवविचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये परिवर्तन छात्रों को न केवल नौकरियों के लिए बल्कि जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

लेकिन इस उड़ती हुई शिक्षा के साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। गांवों में अभी भी डिजिटल उपकरणों की कमी है, और शिक्षा की गुणवत्ता में असमानता भी दिखाई देती है। बहुत से बच्चे अभी भी बुनियादी सुविधाओं से दूर हैं।

यदि भारत को वास्तव में आगे बढ़ाना है, तो शिक्षा को हर कोने तक पहुंचाया जाना चाहिए।

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं है, बल्कि अच्छे नागरिक बनाने का माध्यम भी है। जब शिक्षा उच्च स्तर पर पहुंचती है, तो समाज में विचारशीलता, नैतिकता और सहयोग की भावना भी बढ़ती है।

पंजाब और शैक्षिक क्रांति यदि हम पंजाब की बात करें, तो यहां भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। 'स्कूल ऑफ एमिनेन्स' जैसी पहलों ने सरकारी स्कूलों का महाराज बदल दिया है। छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं (जेई/एनआईटी) के लिए तैयार करना और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजना इस 'उड़ती हुई शिक्षा' के जीवित उदाहरण हैं। चुनौतियां और समाधान यद्यपि हम प्रगति कर रहे हैं, फिर भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं:

अमीर-गरीब का अंतरः महंगी निजी शिक्षा के कारण गरीब बच्चों के लिए उच्च शिक्षा अभी भी एक सपना है।

बुनियादी ढांचाः कई ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और बिजली की कमी डिजिटल शिक्षा के लिए एक बाधा है।

मानसिक स्वास्थ्यः परीक्षाओं का बढ़ता बोझ बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है, जिसके लिए शिक्षा प्रणाली में 'भावनात्मक शिक्षा' को शामिल करना अनिवार्य है।

अंत में, भारत का विकास, उड़ती हुई शिक्षा एक सुंदर सपना नहीं बल्कि वास्तविकता बन सकती है। यदि हम सभी मिलकर शिक्षा को मजबूत करने के लिए प्रयास करें। यही वह रास्ता है जो भारत को वास्तव में सार्वभौमिक बनाता है।

डॉ. विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

उथल-पुथल के दौर से गुजरती दुनिया में भारत से प्रबल उम्मीदें

> 1990 के दशक में सोवियत संघ के पतन के बाद दुनिया एकध्रुवीय हो गई, जिससे बड़े देशों की मनमानी और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उपेक्षा बढ़ी। हालांकि वैश्विक आय बढ़ी, लेकिन अमीर-गरीब के बीच की खाई भी चौड़ी हुई। इस असमानता ने कई देशों में दक्षिणपंथी राजनीति और आर्थिक राष्ट्रवाद को जन्म दिया

जी. एन. बाजपेयी

दूसरे विश्व युद्ध के बाद के करीब 75 सालों तक दुनिया में शांति बने रहने की बड़ी वजह यह थी कि सभी देश नियम-आधारित व्यवस्था और मुक्त बाजार सिद्धांतों पर आधारित नवशास्त्रीय आर्थिक ढांचे से चल रहे थे। मांग व आपूर्ति का संतुलन था और संसाधनों के कुशल आवंटन से चीजें तय होती थीं। दुनिया भले ही दो गुटों में बंटी थी और कुछ बड़े देशों का दबदबा था, फिर भी संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन जैसी संस्थाओं ने देशों के बीच मतभेदों को पाटने और विवादों को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

1990 के दशक में सोवियत संघ के पतन के बाद दुनिया एकध्रुवीय हो गई, जिससे बड़े देशों की मनमानी और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उपेक्षा बढ़ी। हालांकि वैश्विक आय बढ़ी, लेकिन अमीर-गरीब के बीच की खाई भी चौड़ी हुई। इस असमानता ने कई देशों में दक्षिणपंथी राजनीति और आर्थिक राष्ट्रवाद को जन्म दिया। इसका गहरा असर तेल या खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न देशों में दिखा। इसी माहौल ने अन्य देशों में भी ताकतवर बनने की आकांक्षा जगाई, ताकि दुनिया किसी एक के इशारे पर न चले। आज हर देश दूसरे से आगे निकलने की होड़ में है, जिससे वैश्विक शांति खतरे में पड़ गई है। हाल के समय में वर्चस्ववादी हस्तक्षेपों ने उस स्थिरता को चोट पहुंचाई है, जो आर्थिक विकास की आधारशिला होती है। इस अराजकता से मानवता को बचाने और अनिश्चितताओं को कम करने के लिए एक संतुलनकारी शक्ति की जरूरत है। मध्यम-शक्ति वाले देशों के पास यह अवसर है कि वे गठबंधन बनाकर नियम-आधारित व्यवस्था को फिर से सुदृढ़ कर वैश्विक संतुलन स्थापित करें।

भारत इस दिशा में लोकतांत्रिक 'मिडिल पावर' देशों का नेतृत्व करने में पूरी तरह सक्षम है। इसके पांच प्रमुख कारण हैं- पहला, भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सक्रिय लोकतंत्र और तीव्रगामी अर्थव्यवस्था है। दूसरा, भारत ने सदैव संप्रभुताओं का सम्मान, आक्रामकता का विरोध और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। तीसरा, भारत की साख उसकी बहुलतावादी राजनीति, शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण, कानून के शासन और प्रभावी प्रशासनिक तंत्र पर टिकी है। चौथा, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और हिंद-प्रशांत के बिल्कुल मध्य में स्थित होने के कारण भारत को रणनीतिक बढ़त हासिल है और पांचवां, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षमताओं के कारण भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, डिजिटल शासन और विकास सहयोग को प्रभावित कर सकता है। मिडिल पावर देशों का नेतृत्व सहयोग, समायोजन और पारस्परिक सम्मान पर आधारित हो सकता है। भारत विकसित और विकासशील देशों के बीच एक सेतु बन सकता है। यह गठबंधन वैश्विक संस्थाओं को सशक्त और अधिक न्यायसंगत बनाने पर केंद्रित होना चाहिए। भारत की कूटनीति की प्राथमिकता संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार होनी चाहिए। भारत को जी-20, ब्रिक्स और क्वाड जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय समूहों में अपनी भूमिका और सक्रिय करनी होगी। वर्तमान उथल-पुथल को देखकर दुनिया के कई देश अब चाहते हैं कि वैश्विक व्यवस्था किसी की मनमर्जी से नहीं, बल्कि तय नियमों से चले। भारत को भी चाहिए कि वह ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन, समुद्री सुरक्षा, साइबर शासन और आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ीकरण जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाए।

आज दुनिया भारत को सिर्फ एक बड़े बाजार के रूप में देखती है, लेकिन हमें इससे आगे बढ़कर अंतरिक्ष, रक्षा, विमानन, एआइ और सेमीकंडक्टर और कुशल मानव संसाधन में न सिर्फ आत्मनिर्भर बनना होगा, बल्कि इनमें निर्यात क्षमता भी बढ़ानी होगी। हमें आर्थिक कूटनीति व सॉफ्ट पावर-सांस्कृतिक विविधता, लोकतांत्रिक स्थिरता का उपयोग दुनिया का भरोसा जीतने के लिए करना चाहिए। भारत को अपने सामर्थ्य का उपयोग करते हुए स्थिर, समावेशी और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

संजू रोहित-कोहली के क्लब में शामिल

400 सिक्स वाले चौथे भारतीय, इस सीजन का पहला शतक लगाया

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराया। चेपॉक स्टेडियम में संजू सैमसन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के क्लब में एंट्री ली। वे टी-20 में 400 सिक्स पूरे करने वाले चौथे भारतीय बने। उन्होंने इस सीजन का पहला शतक जड़ा। फील्डिंग में सरफराज खान ने डाइविंग कैच लेकर अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा।

संजू ने आईपीएल करियर का चौथा शतक लगाया

18वें ओवर की पांचवीं गेंद पर संजू सैमसन ने चौका लगाकर शतक पूरा किया। यह इस सीजन का पहला और ढ्ढक्क में उनका चौथा शतक रहा। दिल्ली के खिलाफ चेन्नई में किसी छ्स्र्य बल्लेबाज का यह दूसरा शतक है। इससे पहले मुरली विजय ने 2012 के क्वालिफायर में इसी मैदान पर 113 रन बनाए थे।

संजू के नाम 401 सिक्स

संजू सैमसन ने टी-20 में 400 सिक्स पूरे किए। वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बने। उनसे पहले रोहित शर्मा (554), विराट कोहली (441) और सूर्यकुमार यादव (442) इस मुकाम तक पहुंच चुके हैं।

आयुष आईपीएल में रिटायर आउट होने वाले छठे खिलाड़ी बने। उनसे पहले रविचंद्रन अश्विन (2022), अथर्व तायडे (2023), साई सुदर्शन (2023), तिलक वर्मा (2025) और डेवोन कॉनवे (2025) भी इस तरह आउट हो चुके हैं।

17वें ओवर की तीसरी गेंद पर आयुष म्हात्रे 59 रन बनाकर रिटायर आउट हुए। उनकी जगह शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए आए।

आयुष 19 साल की उम्र से पहले आईपीएल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे प्लेयर बने। उन्होंने 15वें ओवर की पहली गेंद पर सिक्स लगाकर तीसरी ढ्ढक्क फिफ्टी पूरी की। इस मामले में वैभव सूर्यवंशी 4 अर्धशतकों के साथ टॉप पर हैं।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- वैशाली ने रूसी खिलाड़ी को हराया, टॉप पर बरकरार

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने साइप्रस में चल रहे फाइड चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी में एक और बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने 11वें राउंड में रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को हराकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बरकरार हैं।

इस जीत के साथ वैशाली के 11 राउंड के बाद 7 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद खिलाड़ियों से एक अंक आगे हैं। टूर्नामेंट में अब तीन राउंड बाकी हैं।

ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। प्रज्ञानानंदा इस ड्रॉ के बाद 7वें नंबर पर ही हैं।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को

चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

गुजरात ने लगातार दूसरा आईपीएल मैच जीता, लखनऊ को 7 विकेट से हराया

गिल-बटलर की फिफ्टी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल -19 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने रविवार के पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराया।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में गुजरात ने 165 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन बनाए।

गुजरात से गिल-बटलर ने फिफ्टी लगाई 165 रन का टारगेट चेज कर रही गुजरात ने मिलीजुली शुरुआत की टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 52 रन ही बनाए थे। 45 रन के स्कोर साई सुदर्शन का विकेट गंवाने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने जोस बटलर के साथ मिलकर रन चेज को आसान बनाया। दोनों 58 बॉल पर 84 रन की साझेदारी की। दोनों अर्धशतक भी लगाए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट झटके लखनऊ की ओर से ऐडन मार्करम ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए।

गुजरात से प्रसिद्ध कृष्णा ने ऐडन मार्करम, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन और मुकुल चौधरी को पवेलियन भेजा। अशोक शर्मा को 2 विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और कगिसो

रबाडा के खाते में एक-एक विकेट आया।

खराब फॉर्म से जूझ रहे ऋषभ, 10 टी20 पारियों में सिराज ने पांचवीं बार किया लखनऊ के कप्तान का शिकार

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 19वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर छोटी पारी खेलकर पवेलियन लौट गए, जिसके बाद उनके फॉर्म को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

आईपीएल के 19वें संस्करण में अब तक लखनऊ की टीम ने चार मुकाबले खेले हैं। इनमें पंत सिर्फ एक बार अर्धशतकीय पारी खेल सके हैं, जबकि तीन बार उनका निजी स्कोर 20 से भी कम रहा है। सीजन के शुरुआती मुकाबले में लखनऊ का सामना दिल्ली कैपिटल्स से हुआ। इसमें पंत ने सिर्फ सात रन बनाए। उसके बाद हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने 68 रनों की नाबाद पारी खेली। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि कप्तान पंत अब ऐसी ही उपयोगी पारियां खेलेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, अगले ही मैच में कोलकाता के खिलाफ पंत सिर्फ 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। अब गुजरात के खिलाफ अपने होम ग्राउंड पर खेलने उतरे पंत सिर्फ 18 रन बना पाए।

गुजरात के खिलाफ तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए आए पंत ने 11 गेंद का सामना किया और सिर्फ 18 रन बनाकर लौट गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने राहुल तेवतिया के हाथों कैच आउट कराया। यह पांचवीं बार है जब सिराज ने पंत का शिकार किया। अब तक दोनों खिलाड़ियों का 10 टी20 पारियों में आमना-सामना हुआ है। इनमें पंत ने 53 गेंदों में उनके खिलाफ 93 रन बनाए हैं। वह पांच बार सिराज का शिकार बने हैं।

व्यापार

ईरान-अमेरिका वार्ता बेनतीजा रहने से दबाव में बाजार, इस हफ्ते विदेशी निवेशकों की एक्टिविटी

ईरान-अमेरिका वार्ता में कोई ठोस समझौता न होने से 13 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में बाजार में तेज उतार-चढ़ाव दिख सकता है। कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें, विदेशी निवेशकों की एक्टिविटी और ग्लोबल मार्केट की चाल भी बाजार की दिशा तय करने वाले मुख्य कारण होंगे। शेयर बाजार के लिए पिछला हफ्ता फरवरी 2021 के बाद सबसे बेहतरीन रहा। ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत से तनाव कम होने की उम्मीद में निफ्टी 6% की मजबूती के साथ 24,050 के स्तर पर बंद हुआ। अब क्या बाजार इस बढ़त को बरकरार रख पाएगा। चलिए समझते हैं...सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। यहां खरीदारी का मौका हो सकता है।

रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर तेजी की उम्मीद रहती है।

मिड-ईस्ट में तनाव कम करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में चल रही 21 घंटे की लंबी बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वे बिना किसी डील के वापस लौट रहे हैं। इसका सीधा असर सोमवार को बाजार और कच्चे तेल की कीमतों पर दिख सकता है। अगर क्रूड की कीमतें बढ़ती हैं, तो इससे भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ेगा। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 95.20 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है।

2. दिग्गज कंपनियों के नतीजे तय करेंगे दिशा

बाजार की नजर इस हफ्ते आने वाले चौथी तिमाही के नतीजों पर भी रहेगी। बीएसई में लिस्टेड करीब 50 कंपनियां अपने नतीजे पेश करेंगी। निफ्टी की दिग्गज कंपनियों में विप्रो, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के परिणाम सबसे महत्वपूर्ण होंगे।

कोल इंडिया ने उठाया बढ़ती लागत का बोझ, ग्राहकों को कीमतों में उछाल से बचाने की कोशिश

सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने फैसला किया है कि वह बढ़ती लागत का बोझ खुद उठाएगी और कोयले की कीमतें नहीं बढ़ाएगी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण विस्फोटकों और औद्योगिक डीजल के दाम काफी बढ़ गए हैं। विस्फोटकों में इस्तेमाल होने वाले अमोनियम नाइट्रेट की कीमत 44 प्रतिशत बढ़कर 72,750 रुपये प्रति टन हो गई है। इससे विस्फोटकों की औसत लागत में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, डीजल की कीमत भी करीब 54 प्रतिशत बढ़कर 142 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है।

कोल इंडिया का कहना है कि अगर वह इन बढ़ी हुई कीमतों का बोझ ग्राहकों पर डालती है, तो इससे बिजली और अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ सकती है। कंपनी अपनी खदानों में काम करने वाले ठेकेदारों को भी डीजल की बढ़ी हुई कीमतों का मुआवजा दे रही है। लागत के दबाव के बावजूद, कोल

इंडिया ने कोयले की आपूर्ति को सस्ता रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। कंपनी ने ई-नीलामी में कोयले की आरक्षित कीमतों को कम किया है और नीलामी की संख्या बढ़ा दी है। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को किफायती दरों पर ईंधन उपलब्ध कराना और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करना है।

एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री की सलाहकार परिषद के सदस्य नीलकंठ मिश्रा ने कहा है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत के लिए ऊर्जा क्षेत्र में सुधार करने का एक अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि भारत में घरों और किसानों के लिए बिजली दुनिया में सबसे सस्ती है, लेकिन उद्योगों और व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए यह सबसे महंगी है। मिश्रा के अनुसार, भविष्य के विकास के लिए ऊर्जा का सही दाम तय करना और उसका सावधानी से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है।

उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि उद्योगों को सस्ती बिजली मिलनी चाहिए। इससे देश में रोजगार पैदा होंगे और लोग खुद अपना बिजली बिल भरने में सक्षम बनेंगे, जिससे हर जगह मुफ्त बिजली देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने 1970 के दशक के तेल संकट के बाद जापान के सुधारों का उदाहरण दिया। जापान ने अपनी ऊर्जा दक्षता को इतना बेहतर किया कि वह अब प्रति यूनिट ऊर्जा से भारत के मुकाबले चार गुना अधिक जीडीपी पैदा करता है। मिश्रा ने चेतावनी भी दी कि अगर कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती हैं

खाड़ी संकटः रईस ग्राहक टाल रहे महंगी कारों की खरीदारी, देश में बिकीं रिकॉर्ड 47 लाख कारें

नई दिल्ली। देश में वित्त वर्ष 2025-26 में कारों की बिक्री 13% बढ़कर रिकॉर्ड 47 लाख रही, लेकिन लग्जरी कारों की हिस्सेदारी 1% ही है। बीएमडब्ल्यू इंडिया के प्रेसिडेंट हरदीप सिंह बरार के मुताबिक पश्चिम एशिया तनाव ने खरीदारों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया है, जिससे वे बड़ी खरीदारी टाल रहे हैं।मर्सिडीज-बेंज इंडिया के एमडी व सीईओ संतोष अय्यर ने भी माना कि वैश्विक हालात के कारण इस साल लग्जरी मार्केट फ्लैट रह सकता है। हालांकि मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 19,363 यूनिट्स की बिक्री की, जो किसी एक वित्त वर्ष का सबसे शानदार प्रदर्शन है। इससे पिछले साल 18,928 यूनिट्स बेची थी।

मर्सिडीज की इस कामयाबी के पीछे सबसे बड़ा हाथ 'टॉप-एंड लग्जरी' सेगमेंट का रहा। अमीर ग्राहकों की बढ़ती पसंद के चलते इस सेगमेंट में वित्त वर्ष 2025-26 में 16% की वृद्धि देखी गई, जबकि साल मार्च तिमाही में यह उछाल 25% तक जा पहुंचा।

लग्जरी कारों में ईवी की मांग 83% बढ़ीईंधन की कीमतें बढ़ने के डर से ग्राहक तेजी से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की ओर बढ़ रहे हैं। जनवरी-मार्च में बीएमडब्ल्यू की इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 83% उछाल के साथ 1,185 तक पहुंच गई। अब कंपनी की कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 26% है। मर्सिडीज की 1.4 करोड़ रुपए से महंगी इलेक्ट्रिक कारों की मांग भी 85% बढ़ी है।

मर्सिडीज की इस कामयाबी के पीछे सबसे बड़ा हाथ 'टॉप-एंड लग्जरी' सेगमेंट का रहा। अमीर ग्राहकों की बढ़ती पसंद के चलते इस सेगमेंट में वित्त वर्ष 2025-26 में 16% की वृद्धि देखी गई, जबकि साल मार्च तिमाही में यह उछाल 25% तक जा पहुंचा।

टॉप-10 कंपनियों में से 8 की वैल्यू 4.13 लाख-करोड़ बढ़ी

बीते हफ्ते एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में रही तेजी के कारण देश की टॉप-10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैपिटलाइजेशन (मार्केट कैप) में कुल 4,13,003.23 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस बढ़त में सबसे आगे बैंकिंग सेक्टर की कंपनियां एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक रहीं।बाजार में यह उछाल कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और ग्लोबल संकेतों के कारण देखने को मिला है। पिछले कारोबारी हफ्ते में ब्क्स्ध सेंसेक्स 4,230.7 अंक यानी 5.77% की बढ़त के साथ बंद हुआ, वहीं निफ्टी में भी 1,337.5 अंक (5.88%) की तेजी रही।

भारती एयरटेल और

एसबीआई के इन्वेस्टर्स को भी फायदा

इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो की मार्केट वैल्यू में 47,624.97 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। वहीं टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल की वैल्यू 45,873.43 करोड़ रुपए बढ़ी।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्ब्द्ध का मार्केट कैप भी 43,614.67 करोड़ रुपए बढ़कर 9.84 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया है। आईटी सेक्टर की बड़ी कंपनी टीसीएस की वैल्यू में 26,303.49 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यू में 21,287.29 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रिलायंस और इन्फोसिस को हुआ मामूली नुकसान

एक तरफ जहां 8 कंपनियों ने मोटा मुनाफा कमाया, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस की वैल्यू में गिरावट आई है। इन्फोसिस का मार्केट कैप 3,285.03 करोड़ रुपए घटकर 5.24 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू भी 947.28 करोड़ रुपए कम हुई है। हालांकि, गिरावट के बावजूद रिलायंस 18.27 लाख करोड़ रुपए की वैल्यू के साथ देश की नंबर-1 कंपनी बनी हुई है।

दिव्यांगता का पुनर्मूल्यांकन हो जाने के बाद बार-बार जांच के लिए बुलाना उचित नहीं - हाईकोर्ट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। दिव्यांग आरक्षण में फर्जी सर्टिफिकेट से नौकरी हासिल करने वालों की एसओजी जांच के बीच हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि एक बार विभागीय निर्देश पर दिव्यांगता का पुनर्मूल्यांकन हो जाने के बाद किसी व्यक्ति को बार-बार जांच के लिए बुलाना उचित नहीं है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह टिप्पणी कुलदीप चौधरी की याचिका को निस्तारित करते हुए की। अदालत ने अपने आदेश में साफ कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (आरपीडब्ल्यूडी)-2016 के तहत सरकार का कर्तव्य है कि वह कानून का दुरुपयोग रोके। लेकिन अगर किसी व्यक्ति की विकलांगता का आकलन विभाग के निर्देश पर किया जाता है तो उसे बार-बार पुनर्मूल्यांकन के लिए

उपस्थित होने को नहीं कहा जा सकता। सरकार को जांच के दौरान निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए।

सरकार ने कहा पुनर्मूल्यांकन से नहीं रोक सकते

याचिकाकर्ता कुलदीप चौधरी के वकील मिर्जा फैसल बेग ने कोर्ट को बताया कि उनके क्लाइंट को 'लो विजन' कैटेगरी में 60% विकलांगता का प्रमाण-पत्र मिला था। विभागीय मेडिकल बोर्ड ने पुनर्मूल्यांकन कर इसे 40% से ज्यादा ही माना। लेकिन अब एक बार फिर से किसी शिकायत पर एसओजी ने उसे नोटिस जारी करके पुर्नमूल्यांकन के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। वहीं सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य को याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई विकलांगता का दोबारा आकलन करने का पूरा अधिकार है। विभागीय अधिकार को किसी भी तरह प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता।

दीपिका चौधरी मिसेज और वेदिका जैन मिस विजेता बनीं

विजेताओं को 1-1 लाख का चेक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

टोंक। राजस्थान के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 सीजन-1 का ग्रैंड फिनाले शनिवार देर शाम निवाई से आगे जयपुर रोड स्थित रिजॉर्ट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मिस कैटेगरी की विजेता वेदिका जैन और मिसेज कैटेगरी की विजेता दीपिका चौधरी रहीं। विजेता घोषित होते ही दोनों ने खुशी का इजहार किया। दोनों कैटेगरी में तीन-तीन प्रतिभागियों को रनरअप भी घोषित किया गया। मिस और मिसेज विजेताओं को 1-1 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

आमजन के साथ मुख्यमंत्री ने की मॉर्निंग वॉक बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों ने साथ ली सेल्फी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह मुख्यमंत्री निवास के बाहर लोक भवन रोड पर मॉर्निंग वॉक की। इस दौरान शर्मा ने लोगों के साथ संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने योग एवं व्यायाम के प्रति सजगता का संदेश देते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हर किसी को कुछ समय के लिए ही सही लेकिन अपने लिए समय निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि मॉर्निंग वॉक से शरीर में पूरे दिन ताजगी तथा ऊर्जा बनी रहती है। मुख्यमंत्री की आत्मीयता को देखकर आमजन में उत्सुकता नजर आई और वे भी साथ कदमताल करने लगे। वॉक के दौरान बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों ने इस पल को अपने मोबाइल में कैद किया और मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली।

लग्जरी लाइफ जीने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर पुलिस ने लग्जरी लाइफ जीने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले रेकी कर अपने गैंग के साथ मिलकर चोरी करता था और लंबे समय से 7 मामलों में वांटेड चल रहा था। पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाके में सक्रिय चोरी गैंग का बड़ा खुलासा हुआ है। विनोद शर्मा उर्फ विनोद पण्डा (39) निवासी बसवा दौसा अब तक चोरी की 20 वारदातों को अंजाम दे चुका है। रामनगरिया थाना पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चुराए गहने भी बरामद किए है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी (ईस्ट) रंजिता शर्मा ने बताया कि चोरी के मामले में वांटेड चल रहे बदमाश विनोद शर्मा को शनिवार रात को दबिश देकर अरेस्ट किया गया है। रामनगरिया इलाके में चोरी के 7 केस में वह पिछले काफी समय से वांटेड चल रहा था। पुलिस ने पूर्व में कार्रवाई करते हुए उसके गिरोह के बदमाश बबलेश मीना उर्फ बबलू, दीपचन्द उर्फ दीपक और प्रदीक कुमार को अरेस्ट किया था। पुलिस से बचने के लिए बदमाश विनोद शर्मा उर्फ विनोद पाण्डा ठिकाने बदल-बदलकर फरारी काट रहा था।

रामनगरिया थाने की स्पेशल टीम के मेंबर कॉन्स्टेबल राहुल और शिवपाल ने शनिवार रात दबिश देकर वांटेड बदमाश विनोद को दौसा से पकड़ा है। जिसके कब्जे से सूने मकान का लॉक तोड़कर चुराए लाखों रुपए कीमत के गहने बरामद किए गए है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विनोद लग्जरी लाइफ और मौज-मस्ती के शौक को पूरा करने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम देता था। उसके खिलाफ अब तक कुल 20 केस चोरी/नकबजनी के दर्ज है।

चेनल गेट तोड़कर ज्वैलरी शॉप में घुसे बदमाश, 18 केजी चांदी के गहने उड़ाए

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में ज्वेलरी की एक शॉप में रविवार तड़के बदमाशों के घुसने का मामला सामने आया है। चेनल गेट तोड़कर शॉप के अंदर घुसे बदमाश कपड़े के बैग में 18 किलो चांदी भरकर चोरी कर ले गए। सदर थाना पुलिस शॉप में लगे सीसीटीवी फुटेजों में कैद हुए चोरों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया- चांदपोल बाजार के रहने वाले बलराम सोनी (46) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। खासाकोठी पुलिया के पास उनकी विनायक ज्वेलर्स के नाम से शॉप है। शनिवार रात रोज की तरह वह शॉप लॉक कर अपने घर चले गए। देर रात बदमाशों ने चोरी की नीयत के चलते शॉप को निशाना बनाया। शॉप के पीछे लगे चेनल गेट को तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। शॉप में रखी तिजोरी को बदमाश तोड़ नहीं पाए। काउंटर व शौ-केस में रखी करीब 18 किलोग्राम चांदी के गहने और करीब 7 ग्राम सोने के गहने

चोरी कर ले गए। रविवार सुबह शॉप का पिछला गेट टूटा होने पर चोरी का पता चला। सदर थाना पुलिस ने सूचना पर पहुंचकर मौके से सबूत जुटाए।

फुटेज में कैद मिली करतूत

एसीपी (सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया शॉप के अंदर लगे सीसीटीवी फुटेज में चोरों की करतूत कैद मिली। रात 2 बजे से तड़के 3:30 बजे के बीच दो चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। शॉप का पिछला चेनल गेट तोड़कर दोनों बदमाश अंदर घुसे। दुकान में रखे चांदी के गहनों को कपड़े के एक बैग में भरकर ले गए। फुटेज के आधार पर दोनों बदमाशों को तलाश जा रहा है। डीएसटी और स्पेशल टीम फुटेजों के आधार पर दोनों चोरों को चिन्हित करने में लगी है। जल्द ही दोनों को राउंडअप कर लिया जाएगा।

हनीट्रैप में फंसाने की धमकी देकर 13 लाख रुपए ऐंठे, 9 साल तक युवक को करती रही ब्लैकमेल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में एक युवती ने हनीट्रैप में फंसाने की धमकी देकर युवक से 13 लाख रुपए ऐंठ लिए। युवती रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 9 साल तक युवक को ब्लैकमेल कर रुपए ऐंठती रही। इतना ही नहीं युवती ने डराने के लिए दो बार केस विड्रो भी कर लिया, इसके बाद भी ब्लैकमेलिंग का सिलसिला जारी रखा। पुलिस ने पीड़ित युवक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि जयपुर के रहने वाले युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह किराए पर रहकर प्राइवेट जॉब करता है। साल-2015 से 2018 के बीच किराए पर रहने के दौरान पड़ोसी युवती की रुपयों की जरूरत होने पर मदद करता था। आरोप है कि घर चेंज कर दूसरी जगह रहने जाने के बाद आरोपी ब्लैकमेलर युवती रेप केस में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी देने

लगी और ब्लैकमेल कर उससे रुपए ऐंठना शुरू कर दिया।

आरोप है कि रुपए नहीं देने पर साल 2018 में युवती ने उसके खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज करवाया दिया। जेल भिजवाने की धमकी देकर 2 लाख रुपए की डिमांड की। रुपए नहीं देने पर रेप और एससी/एसटी एक्ट भी जुड़वा दिया। इसके बाद राजीनामा करने की एवज में 5 लाख रुपए की डिमांड करने लगी। धमकी देकर ब्लैकमेलर युवती ने 3 लाख रुपए में डील तय कर ऐंठ लिए। बयान बदलने पर किसी प्रकार का कोई रेप करना नहीं बताया। पुलिस की ओर से मामले में एफआर लगा दी गई।

दूसरी बार केस विड्रो के लिए रुपए वसूले

उसके बाद भी ब्लैकमेलर युवती की ओर से समाज में बदनाम करने की धमकी देकर रुपए वसूली करना चालू रहा। डर के मारे रुपए देने के दौरान वह शांत रहा। हिम्मत कर रुपए देने से मना करने पर कोर्ट में परिवाद पेश किया, जिसमें रेप, छेड़छाड़ और आईटी एक्ट व एससी/एसटी एक्ट लगाया गया। फिर ब्लैकमेलर युवती को 2 लाख रुपए देकर पीछा छुड़वाया। आरोपी युवती ने रुपए लेने के बाद केस को वापस ले लिया।

डराकर वसूलती रही रकम

पीड़ित का आरोप है कि दो बार पुलिस केस के जरिए रुपए ऐंठने के बाद भी ब्लैकमेलिंग बंद नहीं हुई। रेप केस में जेल भिजवाने की धमकियां देकर 10 हजार रुपए प्रति महीने ऐंठना शुरू कर दिया। दिसंबर 2025 में सैलेरी के आने वाले रुपयों को देने को लेकर डराने-धमकाने लगी। पिछले 9 साल में करीब 13 लाख रुपए ब्लैकमेल कर उससे वसूले गए। आखिरकार ब्लैकमेलिंग के टॉर्चर से परेशान होकर पीड़ित ने आरोपी ब्लैकमेलर युवती के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मुख्य सचिव ने राजीविका मिशन की समीक्षा बैठक ली

लखपति दीदियों से किया वर्चुअल संवाद

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में रविवार को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी 41 जिलों से जिला परियोजना प्रबंधक एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 425 लखपति दीदियों ने सहभागिता की।

मुख्य सचिव ने सिटिजन-सेंट्रिक अप्रोच के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। विभिन्न जिलों से जुड़ी लखपति एवं मिलियनेयर दीदियों-बीकानेर से मोनिका, जयपुर से शांति एवं शालिनी, धौलपुर से पार्वती, जैसलमेर से डिंपल, जालौर से ललिता, अलवर से कविता, टोंक से पिंकी, राजसमंद से सरिता, डूंगरपुर से गायत्री, भरतपुर से बृजेश, झालावाड़ से सुशीला एवं बाड़मेर से डिंपल ने अपने अनुभव साझा किए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव द्वारा राजीविका के कार्यों की समीक्षा करते हुए 10-स्टेप रिफॉर्म लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राजीविका मिशन के अंतर्गत 4.34 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 51.22 लाख परिवारों की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु क्रेडिट लिंकेज, मार्केट लिंकेज एवं स्किल लिंकेज पर आधारित एक सुदृढ़ रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सफलता की कहानियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही, महिलाओं के साथ प्रत्येक माह वेबिनार आयोजित कर सतत संवाद एवं मार्गदर्शन बनाए रखने के लिए भी कहा। मुख्य सचिव ने विभिन्न राज्यों के प्रमुख शहरों एवं महानगरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों हेतु एक समग्र कैलेंडर एवं शो प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि उत्पादों को बेहतर बाजार एवं प्रदर्शन के अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने उद्योग, एमएसएमई, बीआईपी, टेक्सटाइल एक्सपोर्ट से जुड़े विभागों, आरएसएलडीसी एवं आईटीआई जैसे संस्थानों के साथ समन्वय को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, जिससे महिलाओं को अधिक अवसर एवं आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराए जा सकें। साथ ही, महिलाओं द्वारा संचालित कुटीर उद्योगों को विकसित कर उन्हें एमएसएमई के रूप में स्थापित करने पर के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्य सचिव द्वारा राजस्थान महिला निधि से संबंधित बैंकिंग प्रक्रियाओं, ऋण अवधि एवं पुनर्भुगतान प्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर पुष्पा सत्यानी, आयुक्त, ईजीएस, नरेगा, राजीविका की राज्य मिशन निदेशक प्रियंका गोस्वामी, परियोजना निदेश प्रीति सिंह, समस्त राज्य परियोजना प्रबंधक, बैंकिंग प्रोफेशनल्स एवं यंग प्रोफेशनल्स उपस्थित रहे।

संसदीय कार्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित यात्रा के संबंध में ली बैठक

राजस्थान के औद्योगिक विकास का केन्द्र बनेगा पचपदरा - पटेल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिले की पंचायत समिति लूणी के सभागार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित पचपदरा यात्रा के संबंध में विधानसभा क्षेत्र लूणी के अधिकारियों की बैठक ली।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा में देश के पहले एचपीसीएल इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा पचपदरा रिफाइनरी के माध्यम से राजस्थान देश की ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बनेगा और इससे प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति भी मिलेगी।

युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ सह पेट्रो उत्पादों का भी उत्पादन होगा। उन्होंने कहा स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से युवाओं को रोजगार और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा पचपदरा राजस्थान के औद्योगिक विकास का केन्द्र बनेगा। पटेल ने अधिकारियों को चैक पोस्ट, कंट्रोल रूम की स्थापना, मेडिकल टीमें तैयार करने,रूट पर पेयजल की व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

किसानों के लिए अपमानजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगें मुख्यमंत्री: रामपाल जाट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर किसान महा पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संविधान में वर्णित किसानों को उनका श्रम मूल्य देने की विफलता को छुपाने के लिए किसानों का अपमान तो मत करो, आप स्वयं तथा दल एवं सरकार के प्रवक्ताओं से निरंतर प्रचार करा रहे हो कि आपने खेती की है, आप किसान हो, इसलिए किसानों का दर्द जानते हो। लेकिन, आपके उद्बोधन से सच्चाई सामने आ गई।। इससे, खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से, पंक्ति चरितार्थ हो गई। नौकरी करने वाले 365 दिन का वेतन लेते हैं, किंतु काम 150 से लेकर 200 दिन तक ही करते हैं, यह सिद्धांत उन पर भी लागू करके देखो तो आपको दिन में तारे दिखा देंगे। किसान का परिवार 365 दिन ही खेती के लिए सावधान रहता है, सन्नद रहता है, परिश्रम करता है, खेत पर जुताई, बुवाई, निराई, सफाई, गुड़ाई, कटाई, परिवहन के अतिरिक्त प्रबंधन भी

करना पड़ता है। बाजरे का बीज 500 रुपए प्रति किलो तक खरीदना पड़ा। उसी बाजरे को बाजार में 20 रुपए किलो से कम दामों में बेचने को विवश होना पड़ा। जाट ने कहा कि आपने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2775 रुपए पर प्रति क्विंटल पर एक दाने की भी खरीद नहीं की थी। इसी प्रकार मूंग की उपज को एक क्विंटल पर 3000 रुपए का घाटा उठाकर बेचनी पड़ी थी। अभी भी चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5875 रुपए प्रति क्विंटल आपकी डबल इंजन सरकार ने घोषित किया, उसकी भी खरीद नहीं होने से किसानों को एक क्विंटल चना 775 रुपए का घाटा उठाकर बेचना पड़ रहा है। रामपाल जाट ने बताया कि इस प्रकार गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2735 प्रति क्विंटल होने के उपरांत भी किसानों को एक क्विंटल गेहूं 2100 रुपए प्रति क्विंटल तक बेचना पड़ रहा है। बेमौसम बरसात एवं ओला दृष्टि से किसानो की फैसले नष्ट हो रही है उनका भी वर्ष 2023 ,2024, 2025, 2026 का आपदा राहत कोष से आदान -अनुदान प्राप्त नहीं हो रहा है तथा जिन किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्रीमियम वसूल किया गया है, उनको फसलों की हुई क्षति की पूर्ति नहीं हो पा रही है। जाट ने कहा कि इससे ध्यान हटाने के लिए निराधार वक्तव्य देना कहां तक उचित है, कृपया विचार करें, अभी राजस्थान की कमान आपके हाथ में है। एक शासक का ऐसा संवेदनहीन वक्तव्य सर्वथा अनुचित होने से निंदनीय है, स्वयं की आत्मा की आवाज सुन सको तो राजस्थान की जनता से क्षमा याचना करो।

गायत्री महामंत्र जप से ही संभव सकारात्मक चिंतन और वैश्विक शांतिः पाटीदार

जयपुर। जयपुर आराध्य देव गोविंद देव जी मंदिर में रविवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में निःशुल्क पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ में आहुति दी। मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा-गोविंद देव, वेदमाता गायत्री, गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, भगवती देवी शर्मा, यज्ञ भगवान एवं विचार क्रांति की प्रतीक दीप प्रज्वलित कर महायज्ञ का शुभारंभ किया। महायज्ञ की पांच पारियों में 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण की कामना के साथ आहुतियां अर्पित कीं। वैश्विक संकट की स्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रार्थनाएं भी की गईं। आचार्य पीठ से गायत्री कचोलिया, कामिनी शर्मा एवं नीतू शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन सम्पन्न कराया और उपस्थित जनों को सकारात्मक चिंतन व आध्यात्मिक जीवन अपनाने की प्रेरणा दी। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्थापक मणिशंकर पाटीदार ने कहा कि वर्तमान वैश्विक अशांति का मूल कारण वैचारिक व मानसिक प्रदूषण है। इसका समाधान विवेक है, जो गायत्री महामंत्र के नियमित जप से प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि गायत्री साधना से 24 मर्म बिंदु सक्रिय होते हैं, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और चिंतन शुद्ध बनता है। इस अवसर पर तीन जन्मदिन संस्कार एवं एक पुंसवन संस्कार सम्पन्न हुए। गायत्री चेतना केंद्र, जनता कॉलोनी द्वारा लगाए गए साहित्य स्टॉल पर श्रद्धालुओं को लागत मूल्य पर साहित्य उपलब्ध कराया गया तथा 'प्रज्ञा अभियान' पाक्षिक भेंट की गई। पांच श्रद्धालुओं ने अपने घरों पर यज्ञ कराने की सहमति दी। मुरलीपुरा, झोटवाड़ा, मानसरोवर एवं सीकर रोड के कार्यकर्ताओं ने श्रमदान कर आयोजन को सफल बनाया। अंत में सभी से गायत्री महामंत्र का नियमित जप करने का आह्वान किया गया। जय घोष और शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पत्नी, भोजन व धन से सदा संतुष्ट रहें

सुख की इच्छा वालों को संतोष का आश्रय लेकर संयमी बनना चाहिए क्योंकि संतोष सुख और असंतोष दुखों की जड़ है। सुख भोगों की चाह व्यक्ति को स्वार्थ में अंधा बना देती है। वह अपनी इच्छा पूर्ति को ही प्राथमिकता देने उससे होने वाले दूसरों के दुख को ध्यान न रखने के कारण आत्म पतन का द्वार खुलता है। ऐसा व्यक्ति किसी को भी प्रिय नहीं होता है। इसके विपरीत सबकी सुख सुविधा का ध्यान रखने वाला तथा स्वार्थ का भोगी किसी का प्रिय नहीं होता है। त्याग करने वाला सबके हृदय में राज्य करता है एवं आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वार्थ पर बढ़ता प्रभुत्व पतन की और निस्वार्थ सबके हृदय में राथ करता है। मैं और मेरे की मोहमयी मादकता से ऊपर उठकर नीति धर्म पर चलना

एसके मंगल

निस्वार्थ बहादुरों का कार्य है। स्वार्थी कायरों का नहीं है। संतोष और स्नेही व्यक्ति सारस और कर्तव्य निश्चित होते हैं। सदैव आनंदित करने वाले सफल जीवन जीते हैं। इसके विपरीत संतोषी व्यक्ति कर्तव्य के प्रति उदासीन और झगड़ालू होकर नीरस जीते हैं। तीन में संतों को सदैव संतोष करना चाहिए और तीन में कभी भी संतोष नहीं करना चाहिए। अपनी पत्नी, भजन और धन इन तीन में संतोष करना चाहिए और अध्ययन, जप और दान में कभी भी संतोष नहीं करना चाहिए। संसार में सभी त्यागी नग-धडंग बनकर आते हैं और महा त्यागी देह को भी त्याग कर चले जाते हैं। जबकि फिर अतिसंग्रही क्यों बने। आसक्त व्यक्ति सुखों की ओर भागता है जबकि अनाशक्त के लिए सुख उसके पीछे भागते हैं।पद्म पुराण में गौतम मुनि एवं नीति दर्शन में चाणक्य ने कहा है कि संतोष रूपी अमृत ने जिसको तृप्त कर दिया है और जो सुख उसको प्राप्त होगा वह धन के लोग में पड़कर इधर-उधर भागने वालों को कैसे मिल सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा फाउंडेशन का वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

मानव सेवा व सामाजिक मुद्दों पर हुआ मंथन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा फाउंडेशन का वार्षिक अधिवेशन मोरीजावाला धर्मशाला कोटपॅतली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीराज प्रसाद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार सैनी ने अध्यक्षता की। कोटपुतली जिला अध्यक्ष देवीसहाय सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अधिवेशन में संगठन के प्रदेश, जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बाहर से आए संभागीय, जिला व तहसील पदाधिकारियों का फूलमालाओं, शॉल ओढ़ाकर तथा मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संगठन के मूल उद्देश्यों मानव सेवा, भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष, महिला उत्पीड़न रोकथाम और दलित वर्ग के शोषण से मुक्ति पर विस्तार से अपने विचार रखे। साथ ही संगठन की सदस्यता बढ़ाने और समाज में जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीराज प्रसाद गुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और आयोजन की सराहना करते हुए इसे सफल बताया।

ज्ञानपुरा में विधायक देवीसिंह शेखावत ने की जनसुनवाई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। बानसूर के ज्ञानपुरा में विधायक देवीसिंह शेखावत के निवास पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

ग्रामीणों ने मुख्य रूप से सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी दिक्कतें उठाईं। ग्रामीणों ने बताया कि कई गांवों में सड़कों की खराब स्थिति के कारण आवागमन में परेशानी हो रही है। बिजली कटौती और कम वोल्टेज की समस्या से भी लोग परेशान हैं। इसके अतिरिक्त, पेयजल संकट को लेकर भी ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की और त्वरित समाधान की मांग की। विधायक देवीसिंह शेखावत ने सभी ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान शेखावत ने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। इस दौरान कई अन्य जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के गांवों के ग्रामीण मौजूद रहे।

नई फोक्सवैगन टाइगुन की पेशकश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मुंबई। फोक्सवैगन इंडिया ने आज नई टाइगुन प्रीमियम एसयूवी पेश की। उत्कृष्ट ड्राइविंग अनुभव, सुरक्षा और व्यावहारिक डिज़ाइन को महत्व देने वाले ग्राहकों के लिए इस गाड़ी को तैयार किया गया है। नई टाइगुन में आकर्षक डिज़ाइन, उपयोग में आसान तकनीक, बेहतर आराम और कंपनी की पहचान रही सुरक्षा का संगम है। इससे गाड़ी चलाते समय रोमांचक अनुभव मिलता है और यह रोज़मर्रा के उपयोग के लिए भी उपयुक्त साबित होती है।

गाड़ी के अगले हिस्से का नया दमदार डिज़ाइन, इस सेगमेंट में पहली बार दिया गया प्रकाशित लोगो और नए सिरे से सजाया गया इंटीरियर, इन सबके माध्यम से नई टाइगुन वैश्विक स्तर की फोक्सवैगन डिज़ाइन की झलक पेश करती है। जर्मन इंजीनियरिंग, उच्च स्तर की सुरक्षा और टर्बो इंजन की ताकत, ये फोक्सवैगन ब्रांड की पहचान रहे प्रमुख गुण इस एसयूवी में बरकरार रखे गए हैं।

इस अवसर पर फोक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया के ब्रांड निदेशक नितीन कोहली ने कहा, 'टाइगुन हमारे भारत में उत्पाद पोर्टफोलियो की एक महत्वपूर्ण गाड़ी साबित हुई है। इसके पेश होने के बाद से ही हमारे एसयूवीडब्ल्यू सफर में इसने बड़ी भूमिका निभाई है। मजबूत बनावट, उच्च सुरक्षा और ड्राइव करते समय मिलने वाला मज़ेदार अनुभव इन गुणों के कारण इस गाड़ी ने ब्रांड की वृद्धि में योगदान दिया है। इसी मजबूत आधार पर अधिक आकर्षक डिज़ाइन और प्रमुख पहलुओं में किए गए सुधारों के साथ नई टाइगुन पेश की गई है। इस नई गाड़ी को प्रस्तुत कर हम आकर्षक और बेहतरीन इंजीनियरिंग वाले उत्पाद भारतीय ग्राहकों तक लाने के अपने संकल्प को और मजबूत कर रहे हैं। साथ ही, एसयूवीडब्ल्यू पोर्टफोलियो को सुदृढ़ करते हुए भारतीय ग्राहकों के लिए जर्मन इंजीनियरिंग को और अधिक सुलभ बना रहे हैं। '

फोक्सवैगन के डिज़ाइन का दर्शन तीन मुख्य मूल्यों पर आधारित है, स्थिरता, पहली नज़र में पसंद आने वाला डिज़ाइन और गाड़ी को दूसरों से अलग पहचान देने वाला खास टच। ये तीनों सिद्धांत डिज़ाइन से जुड़े हर निर्णय में दिखाई देते हैं। इसी कारण फोक्सवैगन की गाड़ियाँ स्थिर, आकर्षक और अलग नज़र आती हैं। नई टाइगुन रोज़मर्रा के उपयोग के लिए भरोसेमंद गाड़ी है। इसकी मौजूदगी दमदार है।

आज होंगे विभिन्न आयोजन

चाकसू। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ चाकसू की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर सोमवार को अंबेडकर सर्किल, कोटखावदा मोड़ पर जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। चाकसू ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भरत लाल मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख अतिथि पूर्व वेद सोलंकी होंगे। इस मौके पर बाहर से आए कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे। कार्यक्रम में आकर्षक खास आकर्षण होगी।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान से किसानों का अन्नदाता से ऊर्जादाता की ओर बढ़ते कदम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना के तहत राज्य में हुए कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदशज़ सोच और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है। योजना ने किसानों की दशा और दिशा बदलने में नई ऊर्जा का संचार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव अन्नदाता के कल्याण की परिकल्पना को आगे बढ़ाया है। इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए पीएम-कुसुम योजना लागू की गई, जिसके अंतर्गत किसानों को दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। कोटपूतली-बहरोड जिले में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से कुसुम योजना के अन्तर्गत ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। जिले में कुल 120, 33/11 केवी के जीएसएस हैं, जिनसे कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इन सभी जीएसएस पर सोलर प्लांट लगाने हेतु पॉवर पर्चेज एग्रीमेंट (पीपीए) साइन किए जा चुके है। कुसुम कम्पोनेन्ट 'ए' और 'सी' के अन्तर्गत जिले में कुल 38 प्लांट स्थापित किए गए हैं, जिनकी सम्मिलित क्षमता 85.80 मेगावाट है। कोटपूतली वृत में पीएम-कुसुम घटक-ए के तहत 81 सौर प्लांट्स 146 मेगावाट क्षमता के लगाए जाने हैं जिसमें से कुल 12 प्लांट 16.64 मेगावाट क्षमता के स्थापित किये गये है एवं 69 सोलर प्लांट जिनकी क्षमता 129.6 मेगावाट है, को एलओए इश्यू हो चुका है। पीएम-कुसुम घटक-सी के तहत 39 सौर प्लांट्स 112.25 मेगावाट क्षमता के लगाए जाने हैं, जिसमें से 26 प्लांट 69.16 मेगावाट क्षमता के स्थापित किए गए हैं एवं 13 सोलर प्लांट जिनकी क्षमता 43.09 मेगावाट है,को एलओए इश्यू हो चुका है।

कुसुम ए एवं सी योजना के तहत जिले में प्रतिमाह लगभग 126.69 लाख यूनिट का उत्पादन हो रहा है। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर खंड के भूपसेडा गांव में मैसर्स पवन इंटरप्राइजेज (बलबीर मोगर जी) द्वारा स्थापित 2.31 मेगावाट क्षमता के 2 सौर संयंत्र किसानों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। लगभग 6.5 करोड़ रुपये की लागत से बने इन प्लांट्स से 224 कृषि कनेक्शनों को आपूर्ति की जा रही है। इससे जुड़े फीडर्स पर लोड शेडिंग के समय भी बिजली बाधित नहीं होती, जिससे किसानों को खेती के लिए भरपूर बिजली मिल रही है। यह योजना किसानों के लिए आय का नया स्रोत भी लेकर आई है। घटक ए और सी के अंतर्गत किसान या तो स्वयं सौर संयंत्र स्थापित कर सकते हैं या अपनी अनुपयोगी भूमि लीज पर देकर आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र सरकार की सब्सिडी और राज्य सरकार के सहयोग से यह योजना किसानों की आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से आरसीए एडहॉक कमेटी की मुलाकात

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ की एडहॉक कमेटी ने राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया।एडहॉक कमेटी के संयोजक डॉ. मोहित जसवंत यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान में क्रिकेट के विकास, युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और राज्य क्रिकेट संघ के लंबित विवादों को सुलझाकर संगठन को पुनः व्यवस्थित करने की जो जिम्मेदारी कमेटी को सौंपी गई है। उसे पूरा करने के लिए टीम निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर कमेटी के सदस्य धनंजय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी, अर्जुन बेनीवाल और अरिष्ट सिंघवी भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि ऋष्ट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सभी सदस्य मिलकर कार्य करेंगे और राज्य में मजबूत व आधुनिक खेल ढांचा तैयार किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को हर स्तर पर बेहतर अवसर मिल सके।इसके साथ ही कमेटी ने खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से भी भेंट कर उन्हें आरसी की वर्तमान गतिविधियों, क्रिकेट विकास योजनाओं और लिए जा रहे महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी।

एडहॉक कमेटी द्वारा शनिवार को आयोजित तीसरी बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें जयपुर में आईपीएल के आयोजन के लिए राज्य सरकार व राजस्थान रॉयल्स को सहयोग, घरेलू क्रिकेट सत्र और क्रिकेट संचालन में सुधार, जिला क्रिकेट संघों के साथ समन्वय, लंबित कार्यों का निस्तारण और जिलों में खेल सुविधाओं के विकास जैसे मुद्दे शामिल रहे।

इसके अलावा राजस्थान प्रीमियर लीग के आयोजन की रूपरेखा, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के साथ समन्वय, राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान हेतु अवॉर्ड समारोह और जयपुर में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की प्रगति की समीक्षा भी की गई।बैठक में जिला क्रिकेट संघों से जुड़े विवादों पर भी गहन चर्चा हुई। कमेटी ने निर्णय लिया कि सभी मामलों को विधिक प्रक्रिया के तहत शीघ्र सुलझाया जाएगा।हनुमानगढ़ जिला क्रिकेट संघ के संदर्भ में न्यायालय के आदेशानुसार वर्तमान कार्यकारिणी को ही संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। कमेटी सदस्य अर्जुन बेनीवाल (सचिव, हनुमानगढ़ जिला क्रिकेट संघ) के नेतृत्व में कार्यकारिणी को पूर्ण अधिकार प्रदान किए गए हैं, जिससे अब वहां किसी प्रकार का विवाद नहीं है।

मोदी सरकार ने महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक स्वतंत्रता दी, अब राजनैतिक नेतृत्व की बारी - राठौड़

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेषाध्यक्ष राठौड़ ने प्रैस वार्ता को किया सम्बोधित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। पीएम नरेन्द्र मोदी नेतृत्व वाली केन्द्र की एनडीए सरकार द्वारा भारतीय संसद एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिषत आरक्षण दिये जाने के उद्धेष्य से लाये जा रहे नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेषाध्यक्ष राखी राठौड़ ने रविवार को कस्बा स्थित आरटीएम होटल में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों के साथ प्रैस वार्ता को सम्बोधित किया। राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार बनने के बाद से ही महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में व्यापक सुधार आने लगा हैं। विगत दस वर्ष से अधिक के समय में विषेष तौर पर मातृ शक्ति को सम्मान देने के लिये 13 करोड़ इज्जत घर (शौचालयों) का निर्माण हुआ हैं। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिये 04 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण भी हुआ हैं। जिसने देष में मातृ शक्ति के सम्मान में हुये कार्य की व्यापक झलक मिलती हैं। अब पीएम मोदी द्वारा लाया जा रहा नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की देष की नीति निर्माण में राजनैतिक भागीदारी को भी सुनिष्चित करेगा। उन्होंने कांग्रेस पर निषाना साधते हुये कहा कि आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बावजूद भी कांग्रेस सरकारों ने मातृ शक्ति को पितृ सतात्मक सोच के नीचे दबाये रखा। लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकारों ने महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक आजादी दी हैं एवं अब राजनैतिक आजादी की ओर महिला समाज आगे बढ़ रहा हैं। आज महिलाओं की भागीदारी प्रत्येक क्षेत्र में सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि दशकों तक देश की महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया, जबकि वे देश की कुल आबादी का लगभग 48.5 प्रतिषत हिस्सा हैं। इसके बावजूद उनकी राजनीतिक भागीदारी सीमित रही। लेकिन अब समय बदल रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिषत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय लेने की मुख्यधारा में लाने का सशक्त कदम है। यह सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि समानता, सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

पावटा में अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

सड़क पार करते समय मारी टक्कर, सिर के ऊपर से निकला टायर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर पावटा बस स्टैंड के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से 50 वषज्य व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब व्यक्ति सड़क पार कर रहा था। एसआई सूबेसिंह ने बताया कि सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन ने व्यक्ति को टक्कर मार दी। वाहन का टायर सिर के ऊपर से गुजरने के कारण व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को उप जिला अस्पताल पावटा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान थाना सरुंड निवासी घीसाराम के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

कोटपूतली-दिल्ली हाईवे पर दो युवक गंभीर घायल

मौलाहेड़ा पुलिया के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। कोटपूतली-दिल्ली हाईवे पर रविवार तड़के एक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना मौलाहेड़ा पुलिया के पास सर्विस रोड पर हुई, जहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसा सुबह करीब 5:13 बजे हुआ। घायलों की पहचान अंशचंद्रा और ओजस के रूप में हुई है। घटना के समय दोनों युवक सर्विस रोड से गुजर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को कोटपूतली के बीडीएम अस्पताल में भतज़ कराया गया। बीडीएम अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर कर दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टक्कर किस वाहन से हुई है। पुलिस अब सर्विस रोड और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि टक्कर मारकर फरार हुए वाहन का पता लगाया जा सके।

अजीतपुरा कलां में 245वें दिन भी जारी धरना

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। अजीतपुरा कलां कुजोता संघर्ष समिति का नेशनल लाइमस्टोन कंपनी के खिलाफ चल रहा धरना रविवार को 245वें दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा आबादी, स्कूल, श्मशान भूमि और कृषि क्षेत्र के बीचों बीच नियमों की अनदेखी कर ब्लास्टिंग और रात्रिकालीन खनन किया जा रहा है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नियमानुसार आबादी, सड़क और स्कूल से 45 मीटर तथा ब्लास्टिंग के लिए 300 मीटर दूरी रखना अनिवार्य है, साथ ही सूर्यास्त से सूर्योदय तक खनन कार्य पर रोक है, लेकिन इन सभी नियमों की खुलेआम अवहेलना की जा रही है। इससे क्षेत्र में धूल और प्रदूषण बढ़ने के कारण दमा, श्वास और एलजज़ जैसी बीमारियां फैल रही हैं। ब्लास्टिंग के तेज धमाकों से घरों में दरारें आ गई हैं और कंपन के कारण मकान हिलने लगे हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि खनन माफिया के गुंडों द्वारा गांव के चारों ओर निगरानी रखी जाती है, जिससे भय का माहौल बना हुआ है। बच्चे स्कूल जाने से कतराने लगे हैं और गांव की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन और माइनिंग विभाग पर भी माफिया का साथ देने का आरोप लगाया गया है, जिससे ग्रामीणों की समस्याएं और बढ़ गई हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में मुलभूत सुविधाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जायेगी - राधा पटेल

ग्राम पंचायत बनेठी में श्री फेस नवीन पेयजल बोरिंग का किया उदघाटन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। ग्राम पंचायत बनेठी में विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल द्वारा श्री फेस नवीन पेयजल बोरिंग का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पंडितों द्वारा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवाई गई।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण लम्बे समय से पेयजल समस्या से जूझ रहे थे, नवीन बोरिंग शुरू होने से ग्रामवासियों को पानी की समस्या से छुटकारा मिलेगा। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुये विधायक प्रतिनिधि राधा पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुलभूत सुविधाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जायेगी। ग्रामीणों ने राधा पटेल का माल्यार्पण व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान सरपंच प्रशासक कमलेश कंवर, पूर्व प्रधान विक्रम सिंह, प्रशिक्षु तहसीलदार हरिश कुमार यादव, कानूनगो रंजीत सिंह, पीएचईडी एईएन हंसराज गुर्जर, देवी सिंह, रमेश सिंह, पूर्व सरपंच सुरेश सिंह, शिवलाल कुमावत, संतोष स्वामी, राजपाल सिंह, मानसिंह, कैलाष जांगिड़, गोपाल जोशी व मनोज शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

महिलाओं को केवल भागीदारी ही नहीं, प्रतिनिधित्व भी चाहिए सांसद

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। केंद्रीय बजट 2026 पर आधारित माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 के राजस्थान राज्य के प्रतिभागियों के साथ राजस्थान यूथ डायलॉग के फाइनल का आयोजन युवा मामले और खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में किया जा रहा है। नारी शक्ति' विकसित भारत की आवाज' विषय पर क्वेस्ट की महिला प्रतिभागियों का महिला युवा सांसद का आयोजन रविवार को जयपुर शहर की सांसद श्रीमती मंजू शर्मा के मुख्य अतिथि में जयपुर के एक निजी कॉलेज में हुआ।

महिला युवा संसद को संबोधित करते हुए माननीया सांसद ने कहा कि अब महिलाओं को केवल भागीदारी ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व भी चाहिए । नारी आगे बढ़ेगी तो निश्चित तौर पर देश और समाज भी आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश की महिलाओं को आत्मनिर्भर,सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल 2026 जिसे आधिकारिक रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जा रहा है का उद्देश्य 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33% आरक्षण देना है।

उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण के लिए देश के माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय का निर्माण ,उज्जवला गैस योजना, जन धन योजना,मुद्रा योजना लखपति दीदी योजना, मातृ वंदना योजना सहित अनेक योजना संचालित की है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि युवा मामले एवं खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रवीण गुप्ता ने महिला युवा संसद की प्रतिभागियों से संवाद कर महिलाओं से संबंधित केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं पर परस्पर संवाद किया । उन्होंने इस दौरान विश्व के लोकतांत्रिक गणराज्यों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर भी चर्चा की।

युवा संसद में महिला प्रतिभागियों ने लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिला प्रतिनिधित्व, महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक उत्थान पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर रेणु जोशी,प्रभारी क्षेत्रिय निदेशक माय भारत पश्चिमी क्षेत्र श्री कृष्ण लाल पारचा व राज्य निदेशक माय भारत देवेंद्र व्यास भी उपस्थित थे।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश में कार्रवाई

पुलिस ने रिंग रोड़ से वेन्यू कार में बैठे दो आरोपी पकड़े

दो देशी कट्टा और छह खाली और जिंदा कारतूस बरामद, वेन्यू कार भी जप्त

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी... पुलिस द्वारा जप्त वैन्यू कार

बाड़ी। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चल रहे धरपकड़ अभियान के तहत बाड़ी कोतवाली थाना पुलिस ने डीएसटी टीम की सूचना पर शनिवार की रात कार्रवाई करते हुए शहर के रिंग रोड के पास से जब एक कार को रोका तो कार चालक ने उसे खेतों में कूदा दिया। बाद में पुलिस ने घेरा देकर दोनों कार सवारों को पकड़ लिया। जिनके कब्जे से दो देसी कट्टे और 6 जिंदा एवं खाली कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म एक्ट में मामला दर्ज कर पूछताछ में जुटी है।

कोतवाली थाना अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर वांछित अपराधियों और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ धरपकड़ अभियान चलाया हुआ है। उक्त अभियान के तहत डीएसटी टीम के प्रभारी एएसआई प्रेमसिंह ने सूचना दी के एक वेन्यू ब्लेक कलर की कार रिंग रोड के पास सैपऊ रोड़ पर देखी गई है। जिसमें कुछ संदिग्ध है जो अवैध हथियारों के साथ बैठे हुए हैं। जो किसी वारदात की फिराक में ह।

उक्त सूचना के बाद थाने के एसआई हरवीर सिंह, डीएसटी एएसआई प्रेम सिंह, मुकेश कुमार, कांस्टेबल राजेंद्र, सूबे सिंह, सुनील, रामसहाय, भागीरथ और अन्य जवानों की दो टीम बनाकर मौके पर रवाना की गई। जिन्होंने वेन्यू कार को रिंग रोड पार करते ही जब रोका तो कार चालक ने उसे खेतों में कूदा दिया।

लेकिन गाड़ी खेत में गिरते ही बंद हो गई। इसके बाद पुलिस ने चारों ओर घेरा देकर वेन्यू कार में बैठे दोनों आरोपियों को बाहर निकाला। जिनसे पूछताछ की साथ में कार की तलाश की गई। जिसमें से दो देसी कट्टा,चार खाली कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। गिरफ्त में आए आरोपियों के नाम सौरव पुत्र अमृतलाल निवासी सेंगर का पुरा, थाना कंचनपुर और दीपक पुत्र केदार गुर्जर निवासी गजपुरा है। जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। आरोपी किस वारदात की फिराक में थे इसको लेकर भी पूछताछ की जा रही है। मामले में अवैध हथियारों को एकर अन्य लोगों का भी पर्दाफाश हो सकता है। वेन्यू कार को भी पुलिस ने जप्त कर लिया है।

महिला शारीरिक शिक्षिका की इलाज के दौरान मौत

गत दिवस दुर्घटना में चार जने हुए थे घायल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। शहर के सदर थाना क्षेत्र में गत दिवस सड़क हादसे में घायल महिला शिक्षक की आगरा के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान 52 वर्षीय योगेश्वरी के रूप में हुई है। हादसे के दिन योगेश्वरी अपने पति अतुल शर्मा के साथ थीं। अतुल शर्मा कोर्ट में बाबू के पद पर कार्यरत हैं। वे योगेश्वरी को सरानी स्कूल छोड़ने जा रहे थे, तभी अस्पताल चौराहे पर सामने से आ रही एक बाइक से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत आगरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान महिला शिक्षक योगेश्वरी ने दम तोड़ दिया, जबकि उनके पति अतुल शर्मा का इलाज अभी भी जारी है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पचगांव चौकी पर तैनात एएसआई अरुण शर्मा ने मामले की जानकारी दी। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

कायस्थ युवक-युवती परिचय सम्मेलन नवम्बर में कराए जाने का लिया निर्णय

धौलपुर..बैठक के दौरान समिति के पदाधिकारी

जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। श्री चित्रगुप्त समिति (कायस्थ समाज) की जिला कार्यकारिणी की बैठक रविवार को चित्रगुप्त मंदिर भामतीपुरा पर वरिष्ठ शिक्षाविद भूपेंद्र सक्सेना एवं संस्थापक सदस्य योगेश श्रीवास्तव के आतिथ्य एवं जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष राकेश चंद श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में चित्रांश समागम -2026 में राष्ट्रीय स्तर का अविवाहित कायस्थ युवक युवतियों परिचय सम्मेलन का आयोजन नवम्बर में कराए जाने निर्णय लिया गया। जिसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, एनसीआर आदि प्रदेशों के अविवाहित कायस्थ युवक युवतियां भाग लेंगे सम्मेलन में रिश्ते-ही-रिश्ते स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव ने परिचय सम्मेलन कराने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में सभी समाजों में अविवाहित युवक-युवतियों के विवाह के लिए होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए परिचय सम्मेलन एवं स्मारिका का प्रकाशन मील का पत्थर साबित होगा पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव एडवोकेट ने समाज के सामुदायिक भवन के लिए जिला प्रशासन के माध्यम से राजस्थान सरकार द्वारा भूखंड आवंटन कराए जाने की आवश्यकता की बात कही। बैठक का संचालन करते हुए जिला महासचिव विजय श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में कायस्थ समाज की जनगणना कराने, पंजीयन कार्यालय में नवीनकरण कराए जाने एवं वर्ष 2026 की सदस्यता अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया गया। जिला कार्यकारिणी बैठक का शुभारम्भ भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना के साथ किया गया कायस्थ युवा बोर्ड के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष डॉ नवनीत श्रीवास्तव का अभिनंदन किया गया।

बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव एडवोकेट, संस्थापक सदस्य योगेश श्रीवास्तव, शिक्षाविद भूपेंद्र सक्सेना, दिनेश श्रीवास्तव, गोविन्द सक्सेना, अनूप अस्थाना आदि ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सुरेश चंद श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, महेश श्रीवास्तव, कमल किशोर श्रीवास्तव, डॉ सुभाष श्रीवास्तव, भगवत श्रीवास्तव, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, लक्ष्मण माथुर, धर्म प्रकाश सक्सेना, राधेश्याम सक्सेना, अमित श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, जय प्रकाश श्रीवास्तव, चीकू कमठान, अरविन्द श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, नारायन प्रसाद श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव निकेश सक्सेना, अनिल श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, जीतेन्द्र श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, शानू श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे ।

सफाई व्यवस्था बदहाल, स्कूल के सामने कचरे के ढेर से ग्रामीण और विद्यार्थी परेशान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मनियां। तहसील की ग्राम पंचायत जसूपुरा में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आलम यह है कि गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के ठीक सामने गंदगी और कचरे का अंबार लगा हुआ है, जिससे न केवल सरकार की स्वच्छता गाइडलाइन की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि स्कूली बच्चों का भविष्य और स्वास्थ्य भी खतरे में है।

विद्यालय के मुख्य द्वार के सामने लगे कचरे के ढेर से उठने वाली भीषण दुर्गंध के कारण छात्र-छात्राओं को मुँह पर रुमाल रखकर स्कूल जाना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कचरे की वजह से इलाके में बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है। स्वच्छ भारत अभियान के दावों के बीच, स्कूल के सामने इस तरह की गंदगी प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाती है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम विकास अधिकारी इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे हैं। सफाई व्यवस्था को लेकर कई बार मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। उच्चाधिकारियों को भी इस समस्या से सूचित किया है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिलता है। पंचायत प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा है। अभिभावकों में इस समस्या को लेकर गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्कूल के सामने से कचरा नहीं हटाया गया और सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो वे प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

कोतवाली थाना पुलिस की स्मैक को लेकर कार्यवाही, एक आरोपी पकड़ा

आरोपी से बरामद हुई करीब छह ग्राम स्मैक, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने गस्त के दौरान तुलसी वन रोड के कृष्णा रिसोर्ट के पास आम के पेड़ों के पास से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए आरोपी से पुलिस ने करीब 6 ग्राम स्मेक (हेरोइन) बरामद की है। जिसकी कीमत बाजार में 80 हजार से अधिक बताई जा रही है। गिरफ्त में आए आरोपी से पूछताछ में कुछ अन्य लोगों का भी पता लगा है जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस को आशंका है कि यह स्मेक शहर में नशा करने वाले युवाओं के लिए सप्लाई के लिए मंगाई गई थी। पूरे मामले में एनडीपीएस एक्ट में पुलिस कार्रवाई कर रही है।

कोतवाली थाना अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर पूरे जिले में ऑपरेशन प्रहार अभियान चलाया हुआ है। उक्त अभियान के तहत न केवल वांछित अपराधियों,अवैध हथियारों को लेकर कार्रवाई की जा रही है बल्कि नशीले पदार्थों पर भी शिकंजा कसने के प्रयास है। ऐसे में शनिवार को गस्त के दौरान जब पुलिस कृष्णा रिसोर्ट के पास से 100 फुटा रोड पहुची तो तुलसीवन रोड की तरफ आम के पेड़ों के झुरमुट में बैठा एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। जिसको जब टोका तो भागने लगा। इस पर पुलिस ने भागते हुए आरोपी को पकड़ा और तलाशी ली तो उसकी जेब से मादक पदार्थ स्मेक(हीरोइन) बरामद हुई।जिसकी मात्रा 5.90 ग्राम है। हीरोइन की कीमत बाजार में 80 हजार से अधिक है ऐसे में गिरफ्त में आए आरोपी महेश पुत्र रतना कुशवाह निवासी सैपऊ रोड के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए पुलिस पूरे नेटवर्क को लेकर पूछताछ में जुटी है। फिलहाल आरोपी महेंद्र कुशवाहा ने बताया है कि वह इस हीरोइन को सिंगोरई गांव निवासी सुरेंद्र सिंह पुत्र केशव मीणा और बाड़ी के कायस्थ पाड़ा निवासी गूंगा उर्फ संजीव पुत्र राधेश्याम ब्राह्मण निवासी खिदरपुर से खरीद कर लाया था।

पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी है। वही आरोपी से भी सघनता से पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में पुलिस एएसआई वीरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल रामधन, कांस्टेबल राजेंद्र, सूबे सिंह और अन्य टीम का सहयोग रहा है।

माथुर वैश्य जनहित न्यास के चुनाव संपन्न

आयुष गुप्ता अध्यक्ष और भारतेन्द्र गुप्ता मंत्री चुने गए

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर...नवनिर्वाचित पदाधिकारी का माला पहनाकर स्वागत करते हुए

धौलपुर। स्थानीय माथुर वैश्य जनहित न्यास के निर्वाचन आज रविवार 12 अप्रैल को स्थानीय माथुर वैश्य सेवा सदन में निर्वाचन अधिकारी श्री ब्रृजेन्द्र कुमार गुप्ता ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में न्यास की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का निर्वाचन कराया।

निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने आधिकारिक रूप से परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि न्यास के अध्यक्ष आयुष गुप्ता, मंत्री भारतेन्दु गुप्ता, कोषाध्यक्ष अंकुर गुप्ता, उपाध्यक्ष अनूप कुमार गुप्ता उपमंत्री गोपाल दास गुप्ता, लेखा निरीक्षक अरुण कुमार गुप्ता एवं सदस्य के रूप में मनोज कुमार गुप्ता, गौरव गुप्ता, प्रतीक कुमार गुप्ता निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव संपन्न होने के बाद समाज के गणमान्य लोगों ने नवनियुक्त टीम को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी न्यास के सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष आयुष गुप्ता व मंत्री भारतेन्द्र गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बीलपुर बालाजी प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। ग्राम पंचायत बीलपुर में बीलपुर बालाजी प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन का उद्घाटन वीरांगना अवंतीबाई लोधी के प्रतीक चिन्ह पर माला एवं दीपक जलाकर शुभारंभ बच्चू बाबा महंत की अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि बृजेंद्र सिंह राजपूत प्रधानाचार्य एवं पीईईओ बीलपुर के आतिथ्य में किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष एव संयोजक रनवीर लोधा एवं उनकी टीम द्वारा मंचासीन समस्त अतिथियों का साफा-माला पहनाकर एवं वीरांगना अवंती वाई लोधी का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया। अतिथि गुड्डू लोधा जिलाअध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ कॉंग्रेस ने कहा कि समस्त खिलाड़ी प्रेम सोहार्द एवं खेल की भावना से खेलें और कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से लोधा समाज के युवाओं में खेलो के प्रति जागरूकता आएगी एवं जिला, राज्य एवं नेशनल अंत में देश के लिए खेले तथा जिला एवं देश का नाम रोशन करे। बृजेंद्र सिंह राजपूत प्रधानाचार्य ने लीग के प्रथम मैच की टीम पंचायत घड़ी एवं उमरारा के खिलाड़ियों से परिचय कर टॉस कराया। जिसमें घड़ी पंचायत ने टॉस जीता और फील्ड में वॉल कराकर मैच का शुभारंभ किया।

क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम को 31 हजार एवं उप विजेता टीम को 11 हजार से पुरस्कृत किया जाएगा एवं एंट्री फीस 2100 रहेगी। अंत में प्रीमियम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के व्यवस्थापक एवं संयोजक रनवीर लोधा उप सरपंच बीलपुर द्वारा समस्त अतिथियों एवं खेल प्रेमियों व खिलाड़ियों को धन्यवाद दिया। मंच संचालन जगमोहन लोधा वाइस प्रिंसिपल ने किया। अतिथियों में शिब्बू लोधा ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस, प्रेम सिंह लोधा पूर्व अध्यक्ष लोधा महा सभा, कमल सिंह लोधा पूर्व महामंत्री लोधा महासभा, नवाब सिंह लोधा, कोक सिंह, हरेंद्र लोधा युवा नेता, सुरेश चंद लोधा ऐदलपुर, बॉबी सरपंच बिलपुर, युगल किशोर लोधा प्रदेश अध्यक्ष कल्याण महासभा, श्रीनिवास बिलपुर एवं ग्रामवासी बीलपुर उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद 14 को मनाएंगे मोईरांग दिवस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद शाखा के तत्वावधान में 14 अप्रैल रविवार को मोईरांग दिवस हर वर्ष की भांति सैनिक विश्रामगृह में मनाया जाएगा । इस अवसर पर सतत मिलाप की टीम अलवर से मेडिकल यहां पहुंचेगी व सैन्य समस्याओं को समझकर पूर्व सैनिकों को कैसे लाभान्वित किया जा सके इसके विषय में जानकारी दी जाएगी। ज्यादा से ज्यादा पूर्व सैनिक इस अवसर पर सैनिक विश्राम गृह में प्रातः 10 बजे पहुंचकर लाभान्वित हों।

बिजौली गौशाला के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

बाड़ी। उपखंड के धौलपुर रोड पर बिजौली गौशाला के पास शनिवार की रात सड़क हादसा हो गया। धौलपुर से बाड़ी स्कूटी से लौट रहा फाइनेंस कर्मचारी अज्ञात वाहन की टक्कर में मौके पर ही मौत का शिकार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची सदर पुलिस ने मृतक के शव को बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी रखवाया और परिजनों को घटना की जानकारी दी। रविवार को दिन में परिजनों के अस्पताल पहुंचने पर मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है और शव परिजनों को सौंप दिया है। 22 वर्षीय मृतक मोहन चौरसिया एमपी के भिंड जिले के अटेर थाना क्षेत्र के खेरी गांव निवासी था जो धौलपुर में बजाज फाइनेंस कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्य करता था। मृतक मोहन चौरसिया के बुआ के लड़के ग्वालियर निवासी दीपक ने बताया की मोहन चौरसिया पुत्र दशरथ चौरसिया एमपी के भिंड जिले के अटेर थाना क्षेत्र के खेरी गांव का निवासी था। वह धौलपुर में बजाज फाइनेंस कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यकर्ता था। मोहन चौरसिया की शादी नहीं हुई थी। उसके पिता दशरथ चौरसिया ट्रक ड्राइवर हैं। बड़ा भाई कौशल चौरसिया बुरहानपुर में काम करता है। जिसकी शादी 24 अप्रैल को होनी है। घर में शादी का माहौल था और तैयारी चल रही थी । एक सप्ताह पहले ही मोहन चौरसिया घर होकर आया था। बिजौली चौकी प्रभारी कलेक्टर सिंह ने बताया कि जैसे ही एक्सीडेंट की सूचना मिली,तुरंत घायल को लेकर बाड़ी अस्पताल आए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में उसकी पहचान नहीं हो पाई। मोबाइल लॉक होने की वजह से काफी दिक्कत हुई। बाद में मोबाइल पर फोन आया जिसको जानकारी दी गई और आरटीओ ऑफिस से भी स्कूटी के नंबर के आधार पर पता लगाया गया। फिलहाल परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया है। घटना किस वाहन से हुई,इसका पता लगाया जा रहा है।

समरस, संगठित समाज से सशक्त राष्ट्र का संकल्प : महेंद्र सिंह

राजाखेड़ा...गोष्ठी मेंउपस्थित महिला व पुरुष

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा...गोष्ठी में बोलते मुख्य वक्ता प्रांत संघ चालक मग्गो

राजाखेड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खण्ड राजाखेड़ा द्वारा पाठशाला उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों–मातृ शक्ति, युवा शक्ति एवं विभिन्न व्यवसायों से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्वों–की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

मुख्य वक्ता प्रांत संघ चालक महेंद्र सिंह मग्गो ने अपने प्रभावशाली एवं विचारोत्तेजक उद्बोधन में कहा कि संघ का मूल उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के माध्यम से एक सशक्त, संगठित, समरस एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि समाज में स्थायी परिवर्तन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि संस्कारित व्यक्तियों के निर्माण से संभव होता है, और यही संघ की कार्यपद्धति का मूल आधार है। उन्होंने संघ के वर्तमान शताब्दी वर्ष को केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि समाज जीवन में नवचेतना, आत्ममंथन और व्यापक जनसंपर्क का अवसर बताते हुए प्रत्येक स्वयंसेवक एवं जागरूक नागरिक से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समाज जागरण का कार्य करें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सक्रिय भूमिका निभाएं। अपने उद्बोधन में उन्होंने पंच परिवर्तन की अवधारणा को विस्तार से स्पष्ट करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता का वातावरण निर्मित करना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यवहारिक जागरूकता लाना, परिवार संस्था को सुदृढ़ बनाना, स्वदेशी जीवनशैली को अपनाना तथा नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजग रहना– ये पांचों परिवर्तन राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के आधार स्तंभ हैं। यदि समाज इन दिशाओं में संगठित प्रयास करे, तो राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित है। उन्होंने वर्तमान समय की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज समाज सामाजिक विघटन, सांस्कृतिक भ्रम, बढ़ती व्यक्तिवादिता तथा नैतिक मूल्यों में गिरावट जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों का समाधान केवल शासन-प्रशासन से अपेक्षित नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक नागरिक को जागरूक, उत्तरदायी और संगठित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को राष्ट्र की ऊर्जा बताते हुए उन्हें सकारात्मक दिशा में कार्य करने की प्रेरणा दी तथा मातृशक्ति को संस्कार निर्माण का केंद्र बताया।

कार्यक्रम में जिला संघ चालक राम अख्तियार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने भी समाज में संगठन और समरसता के महत्व पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने राष्ट्र निर्माण के इस अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता पूजन के साथ हुआ, जिसमें राष्ट्र के प्रति श्रद्धा और समर्पण का भाव व्यक्त किया गया। अंत में भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण राष्ट्रभाव से ओत-प्रोत हो गया।

कोतवाली पुलिस ने पकड़ा अवैध हथियार सहित आरोपी

ध्वनि प्रदूषण अधिनियम में ट्रैक्टर-ट्रॉली, साउंड सिस्टम जप्त

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। कोतवाली थाना पुलिस ने जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार अभियान में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को शहर के रिंग रोड निधारा की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। दूसरी कार्रवाही में कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल के पास से एक ट्रैक्टर ट्राली को चालक सहित पकड़ा है। डीजे सिस्टम को जप्त किया गया है। कोतवाली थाना अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि एएसआई राजकुमार के नेतृत्व में कांस्टेबल राजेन्द्र और सूबे सिंह की टीम ने शहर के रिंग रोड पर निधारा की पुलिया के पास कार्रवाई की। जहां से एक आरोपी को 315 बोर के देशी कट्टे और कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान ठाकुरपाड़ा निवासी गुलशन पुत्र भीकम सिंह ठाकुर के रूप में हुई है। जिसके खिलाफ 3/25 आर्म एक्ट में कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने जिला अस्पताल के पास से एक ट्रैक्टर ट्राली पर कान फोडू संगीत बजाने के मामले में ध्वनि प्रदूषण अधिनियम की धारा 4/6 में कार्रवाई की है। ट्रैक्टर-ट्रॉली और उस पर लगे डीजे साउंड को जप्त किया है। आरोपी चालक रामकेश पुत्र रामजीलाल गुर्जर निवासी खाईदार थाना सोने का गुर्जा को गिरफ्तार किया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।